राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार ,22 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-241 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्यप्रदेश के इतिहास में पहली बार

राज्य सूचना आयुक्तकी बड़ी कार्यवाही

राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने गिरफ्तारी वारंट किया जारी

मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने बुरहानपुर के सीएमएचओ डॉ विक्रम सिंह को आयोग के समक्ष हाजिर करने के लिए अरेस्ट वारंट जारी कर दिया है। वही इस प्रकरण में आकाश त्रिपाठी कमिश्नर स्वास्थ्य संचनालय मध्यप्रदेश द्वारा पिछले दो साल से आयोग के आदेश की अनदेखी करने पर उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ में अयोग ने त्रिपाठी की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए समन भी जारी किया है।

इस ऋक्षद्ध अपील प्रकरण में पहले सुनवाई के समय आदेश की लगातार अनदेखी की गई और बाद में आयोग ने जब दोषी अधिकारी के ऊपर ? 25000 के जुर्माने की कार्रवाई कर दी तो जुर्माना वसूलने के आयोग के आदेश पर जिम्मेदार अधिकारी आँख मुंदे पड़े रहे। आयोग ने सिविल प्रक्रिया संहिता 1980 के तहत प्रकरण में जांच दर्ज कर समन और बेलेबल अरेस्ट वारंट जारी करने के आदेश दिए है।

इस प्रकरण में अपीलकर्ता दिनेश सदाशिव सोनवाने ने RTI आवेदन दिनांक 10/08/2017 को सीएमएचओ बुरहानपुर डॉक्टर विक्रम सिंह के समक्ष लगाया था।

RTI आवेदन में बुरहानपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में वाहन चालकों की नियुक्तिऔर पदस्थापना संबंधित जानकारी मांगी थी।

डॉ विक्रम सिंह ने कानून का उल्लंघन करते हुए कोई भी जवाब 30 दिन में नहीं दिया

बाद आवेदक ने प्रथम अपील दायर की तो प्रथम अपीलीय अधिकारी संयुक्तसंचालक स्वास्थ्य इंदौर में इसमें जानकारी देने के आदेश दिनाक 7/10/2017 को जारी कर दिए।

माहिती अधिकारी अधिनयम का अवहेलना करना पड़ा भारी क्या किस प्रकार आवेदनकर्ता के हेरान-परेशान होकर आयोग के सामने रखा अपना समस्याएं, आयोग ने भी जारीकर्ता निर्देश का पालन न करने पर पड़ा भारी

लगातार होता रहा आयोग के सनवाई समन का उल्लंघन

आयोग ने डॉक्टर विक्रम सिंह को आयोग के समक्ष अपना जवाब पेश करने के लिए लगातार समन जारी किए। पहला समन 18/10/2019 को हुआ दूसरा 29/11/2019 को हुआ, तीसरा 27/12 /2020 को, चौथा 21/9/2020 को, पांचवा 2/11/2020 छठवां 16/12/2020 और सातवा समन 10/2/2021 को जारी हुआ। पर इन सभी समनो के बावजूद डॉ विक्रम सिंह आयोग के समक्ष हाजिर नहीं हुए। आयोग ने इन समनो मे डॉ विक्रम सिंह की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य संचालनालय के कमिश्नर को भी निर्देशित किया था। लेकिन अधिनियम को लेकर के लापरवाह स्वास्थ्य विभाग में इस पर भी ध्यान नहीं दिया। आयोग ने 16/12/2020 को इस प्रकरण में ?25000 का जुर्माना डॉक्टर सिंह के ऊपर लगा दिया और साथ ही कमिश्नर स्वास्थ संचनालय को 1 महीने में पेनल्टी की राशि जमा ना होने पर डॉक्टर सिंह की वेतन से काटकर आयोग में जमा करने के लिए निर्देशित किया गया।

सिंह ने इन दोनों अधिकारियों की कार्रवाई को आयोग के अपीलीय प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वाला बताया है। राज्य सूचना आयुक्तने अपने आदेश में कहा कि आयोग इस तरह के आरटीआई एक्ट के लगातार खुलेआम उल्लंघन को मूकदर्शक बनकर नहीं देख सकता है। अगर इस तरह के उल्लंघन को मान्य कर दिया जाए तो आरटीआई कानून मजाक बनकर रह जाएगा।

अधिनियम के अंतर्गत क्या है नियम

राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह के मुताबिक आरटीआई एक्ट की धारा 7 (1) के तहत अगर 30 दिन के अंदर जानकारी नहीं मिलती है तो धारा 20 के तहत ? 250 प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम ? 25000 तक का जुर्माना लगाया जाता है। दोषी अधिकारी को १ महीने का समय जुर्माने की राशि आयोग में जमा करने के लिए दिया जाता है। इसके बाद मध्यप्रदेश फ़ीस अपील नियम 2005 में नियम 8 (6) (3) के तहत आयोग दोषी अधिकारी के कंट्रोलिंग अधिकारी को जुर्माने की राशि को वसूलने और साथ में दोषी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट करता है। नियम के अनुसार आयोग का आदेश संबंधित कंट्रोलिंग अधिकारी पर बंधनकारी होता है। सिंह ने बताया कि नियम के मुताबिक आयोग जुर्माने की राशि को वसूलने के लिए सिविल कोर्ट की शक्तियों का उपयोग करता है।

नीचे के अधिकारी करते रहे उल्लंघन और ऊपर के अधिकारी साधे रहे चुप्पी

आयोग ने 16/12/2020 के बाद दोबारा कमिश्नर स्वास्थ संचनालय मध्य प्रदेश को दिनांक 7/04/2021, 7/6/2021 और 27/8/2021 को जुर्माने की राशि अधिकारी की सैलरी से काट कर आयोग में जमा करने के लिए आदेशित किया। पिछ्ले 2 साल से लगातार इन सब कार्रवाईयो के बावजूद आयोग दोषी सीएमएचओ को अपने समक्ष हाजिर करवाने और उसके बाद जुर्माने की राशि वसूलने में विफल साबित रहा। राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने अपने आदेश में कहा कि सीएमएचओ द्वारा जानबूझकर कर आयोग के आदेश की अवहेलना की गई। सिंह ने यह भी कहा कि आयोग के आदेश के बावजूद कमिश्नर द्वारा इसमें कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं करने से कमिश्नर की नियत कार्रवाई नहीं करने की साफ झलकती है और यह मध्य प्रदेश आरटीआइ फीस अपील नियम 8 (6) (3), 2005 का उल्लंघन है।

आयुक्तराहुल सिंह की तल्ख टिप्पणी

राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने सीएमएचओ को कमिश्नर हेल्थ पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों अधिकारियों का व्यवहार संसद द्वारा स्थापित पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन सुनिश्चित करने वाले ऋक्षद्ध कानून का मखौल उड़ाने वाला है। सिंह ने साथ में आदेश में यह भी लिखा कि RTI Act, संविधान के अनुच्छेद 19 (1) का भाग होने से हर भारतीय का मूल अधिकार है। पर इन अधिकारियों को आम जनता के मूल अधिकार और कायदे कानून की भी परवाह नहीं है।

आयोग द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का गिरफ्तारी वारंट जारी

राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए डीआईजी इंदौर डिवीजन को निर्देशित किया है कि आयोग के वारंट की तामील करा कर दोषी अधिकारी डॉ विक्रम सिंह को गिरफ्तार कर आयोग के समक्ष दिनाक 11/10/2021 को दोपहर 12 बजे हाजिर करें। आयोग ने इस वारंट में कहा है कि अगर डॉक्टर विक्रम सिंह ?

5000 की जमानत देकर अपने आप को आयोग के समक्ष 11 अक्टूबर की पेशी में हाजिर होने कर लिए तैयार है तो उनसे जमानत की राशि ?

5000 लेकर उन्हे आयोग के समक्ष हाजिर होने के लिए रिहा कर दिया जाए।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चन्नी के भरोसे

पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चली आ रही रस्साकशी व उथल-पुथल के बाद भले ही पार्टी हाईकमान ने चरणजीत सिंह चन्नी को राज्य की कमान सौंप दी हो, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि पार्टी में महत्वाकांक्षाओं का उफान थम गया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद विधायक दल का नेता चुने जाने में जिस तरह से ऊहापोह की स्थिति नजर आई, उससे पता चलता है कि अभी भी पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले जब पार्टी अध्यक्ष बदले जाने के बाद भी उठापठक व अनबन की सीमाएं पार होने लगीं तो पार्टी ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का मन बनाया। निस्संदेह, कैप्टन अमरिंदर सिंह की कार्यशाली को लेकर पार्टी में नाराजगी थी, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू के पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद यह टकराहट चौराहे पर आने लगी। बहरहाल, ऐसे वक्त में जब अकाली दल ने देश के सबसे ज्यादा दलितों वाले राज्य में बसपा से हाथ मिलाकर कांग्रेस के लिये एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी थी, तो उसकी काट में कांग्रेस ने दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को राज्य की बागडोर सौंपकर एक मास्टर स्ट्रोक ही खेला है। नवजोत सिद्धू के बेहद करीबी माने जाने वाले और कैप्टन अमरिंदर के मुखर विरोधी चरणजीत सिंह चन्नी को सही मायनों में कांटों का ही ताज मिला है। पार्टी में जारी उठापटक को खत्म करके चन्नी पर उन वादों को पूरा करने का दबाव होगा, जिसे पूरा न करने का आरोप वे कैप्टन पर लगा रहे थे। जाहिर-सी बात है कि पार्टी का उन पर दबाव रहेगा कि वे 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की सत्ता में वापसी करें। यह तभी संभव है जब पार्टी में मनभेद का पूरी तरह पटाक्षेप हो। पंजाब की सत्ता में निर्णायक भूमिका निभाने वाले मालवा क्षेत्र से आने वाले चन्नी पार्टी की सत्ता में वापसी करा पायेंगे, ये तो आने वाला वक्त ही बतायेगा। वहीं दूसरी ओर अभी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी अपने पत्ते नहीं खोले हैं कि वे पार्टी में रहेंगे या कोई अन्य बड़ा फैसला लेंगे। वहीं पार्टी में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद टिकट बंटवारे के विवाद भी सामने आएंगे। यदि पार्टी के गुटों की रस्साकशी पर विराम लग पायेगा तभी चन्नी की राह निष्कंटक हो पायेगी। बहरहाल, चन्नी के पास समय कम है और पार्टी को चुनाव में लड़ने लायक बनाने का काम ज्यादा है। वे लगातार कैप्टन सरकार पर पिछले चुनाव में किये गये वादे पूरा न करने का आरोप लगाते रहे हैं, जिसमें बेअदबी के दोषियों को सजा दिलाने, अवैध खनन और नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने, सस्ती बिजली और सबसे बढ़कर किसान आंदोलन से उपजी चुनौतियां शामिल हैं। कांग्रेस हाईकमान ने इस सीमावर्ती व संवेदनशील राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का जोखिम तो उठाया है लेकिन इसका परिणाम तो अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव के बाद ही सामने आयेगा। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी में कितनी एकजुटता कायम रह पाती है। जनता में एक संदेश यह भी जा सकता है कि पार्टी को एक दशक के वनवास के बाद मुश्किल हालात में सत्ता में वापसी दिलाने वाले वरिष्ठ व अनुभवी कैप्टन अमरिंदर सिंह की सम्मानजनक विदाई नहीं हुई। वहीं इस बदलाव का एक निष्कर्ष यह भी है कि पार्टी में ऐसे जनाधार वाले नेताओं का वक्त नहीं रहा जो गांधी परिवार के सुर में सुर न मिलायें। छत्तीसगढ़ से लेकर राजस्थान तक में पार्टी क्षत्रपों का टकराव इसी सोच को उजागर करता है। यही वजह है कि कैप्टन को इस्तीफा देने के बाद कहना पड़ा कि उन पर अविश्वास जताया जा रहा है और उन्हें अपमानित किया जा रहा है।

श्राद्ध कर्म का विज्ञान

आत्मा की अमरता और पुनर्जन्म की धारणा को अब वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध कर दिया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के गणित व भौतिकी के प्राध्यापक सर रोगर पेनरोज और एरीजोन विवि के भौतिक विज्ञानी डॉ स्टूअर्ट हामरॉफ ने दो दशक अध्यरत रहने के बाद स्वीकारा है कि 'मानव-मस्तिष्क एक जैविक कंप्यूटर की भांति है।

– प्रमोद भार्गव

जीवन का अंतिम संस्कार अंत्येष्टि संस्कार है। इसी के साथ जीवन का समापन हो जाता है। तत्पश्चात भी अपने वंश के सदस्य की स्मृति और पूर्वजन्म की सनातन हिंदू धर्म से जुड़ी मान्यताओं के चलते मृत्यु के बाद भी कुछ परंपराओं के निर्वहन की निरंतरता बनी रहती है। इसमें श्राद्ध क्रिया की निरंतरता प्रतिवर्ष रहती है। इस क्रिया को हम अपने दिवंगतों के प्रति आदर का भाव प्रकट करने का माध्यम भी कह सकते हैं। वैसे मृत्यु से लेकर श्राद्ध कर्म तक जो भी क्रियाएं अस्तित्व में हैं, उनके पीछे शरीर और प्रकृति का विज्ञान जुड़ा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। श्राद्ध की मान्यता आत्मा के गमन से जुड़ी है। चूड़ामण्युनिषद् में कहा है कि ब्रह्म अर्थात ब्रह्मांड के अंश से ही प्रकाशमयी आत्मा की उत्पत्ति हुई है। इस आत्मा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। इन्हीं पांच तत्वों के समन्वित रूप से मनुष्य व समस्त प्राणी जगत और ब्रह्मांड के सभी आयाम अस्तित्व में हैं। अतएव हिंदुओं के अंत्येष्टि संस्कार में मृत शरीर को अग्नि में समर्पित करके पांचों तत्वों में विलीन करने की परंपरा है। आत्मा या शरीर के अंशों के इस विलय को संस्कृत में 'प्रैती' कहा है। इसे ही बोलचाल की भाषा में 'प्रेत' कहा जाने लगा। इसे ही धन के लालचियों ने भूत-प्रेत या अतीन्द्रीय शक्तियों की हानि पहुंचाने वाली मानसिक व्याधियों से जोड़ दिया। जबकि शरीर में आत्मा के साथ-साथ मन व प्राण भी होते हैं। आत्मा के अजर-अमर रहने वाले अस्तित्व को अब विज्ञान ने भी स्वीकार लिया है। मन और प्राण जब शरीर से मुक्त होते हैं, तब भी शरीर में इनका असर बना रहता है। इस कारण ये शरीर के चहुंओर भ्रमण करते रहते हैं। मन चंद्रमा का प्रतीक माना है। भारतीय दर्शन में इसीलिए स्थूल व सूक्ष्म शरीर की कल्पना कर विवेचना की गई है। पितृपक्ष की अवधि में ऐसी धारणा है कि मृतकों के सूक्ष्म अंश श्राद्ध की अवधि में परिजनों के इर्द-गिर्द मंडराते रहते हैं और श्राद्ध क्रिया से संतुष्ट होकर लौट जाते हैं। हालांकि संपूर्ण शरीर सत्रह सूक्ष्म इंद्रियों का आवास होता है। इनमें पांच कर्मेन्द्रियां, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच प्राणेंद्रियां, एक मन और एक बुद्धि हैं। यही इंद्रियां छह धातुओं त्वचा, रक्त, मांस, मेदा, मज्जा और अस्थि निर्मित स्थूल शरीर में प्रवेश कर उसे संपूर्ण बनाती हैं। अतएव स्थूल शरीर से जब ये सूक्ष्म इंद्रियां निकलती हैं, तब सूक्ष्म शरीर की रक्षा के लिए वायवीय अर्थात वायुचलित या काल्पनिक शरीर धारण कर लेती हैं। इसे ही प्रेत-संज्ञा दी गई है। यह वायु तत्व से प्रधान शरीर माया-मोह से मुक्त नहीं होने के कारण परिजनों के निकट भटकता रहता है। इसी प्रेतत्व से छुटकारे का उपाय दशगात्र एवं श्राद्ध आदि क्रियाएं हैं। हिंदुओं में दाह क्रिया के समय कपाल क्रिया प्रचलन में है। गरुड़ पुराण के अनुसार शवदाह के समय मृतक की खोपड़ी को घी की आहुति देकर डंडे से प्रहार कर फोड़ा जाता है। चूंकि खोपड़ी का अस्थिरूपी कवच इतना मजबूत होता है कि सामान्य आग में वह आसानी से भस्मीभूत नहीं हो पाता है। इसलिए उसे घी डालकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाता है, जिससे यह भाग पूर्णरूप से पंचतत्वों में विलय हो जाए। इस क्रिया के प्रचलन से मान्यता जुड़ी है कि कपाल का भेदन हो जाने से प्राण तत्व पूरी तरह मुक्त हो जाते हैं और पुनर्जन्म की प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं। इस विषयक एक मान्यता यह भी है कि यदि मस्तिष्क का भाग अधजला रहेगा तो अगले जन्म में शरीर पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाएगा। मस्तिष्क में ब्रह्मा का निवास माना गया है, जो ब्रह्मरंध्र में प्राण के रूप में स्थिर रहता है। ऐसा माना जाता है कि शिशु जब गर्भ में जीवन ग्रहण करता है तो वह इसी रंध्र से होकर भ्रूण के शरीर में प्रवेश पाता है। यह बिंदु सिर के सबसे ऊपरी भाग में होता है। इसी भाग पर चोटी रखने का विधान है। यह भाग अत्यंत मुलायम होता है। चूंकि जीवन इस छिद्र से होकर शरीर में प्रवेश करता है, इसलिए कपाल क्रिया के माध्यम से इसे संपूर्ण रूप से बाहर निकालने का विधान किया जाता है, जिससे शरीर में पूर्व की कोई स्मृति शेष न रह जाए। इसे भौतिक शरीर का एंटीना भी कह सकते हैं। इस ब्रह्मरंध्र का सबसे प्राचीन विज्ञान-सम्मत उल्लेख महाभारत में मिलता है। अश्वत्थामा जब पाण्डवों के वंशनाश के लिए अभिमन्यु की गर्भवती पत्नी उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र छोड़ देते हैं, तब उत्तरा की कोख से मृत शिशु जन्मता है। परंतु कृष्ण जब उस शिशु को हथेलियों में लेते हैं, तो उन्हें उसमें जीवन का अनुभव होता है। वे तुरंत शिशु के मुख में अपने मुख से वायु प्रवाहित करते हैं। इससे श्वांस नली में स्थित काकुली में ब्रह्मरंध्र अवरुद्ध हो गया था, वह खुल गया और शिशु के प्राणों में चेतना लौट आई। ब्रह्मरंध्र तीव्र ध्वनि तरंगों के आवेग और क्रोध से अवरुद्ध हो जाता है। गंगा में अस्थियों के विसर्जन के पीछे भी विज्ञान सम्मत धारणा है। चूंकि अस्थियों में बड़ी मात्रा में फास्फोरस होता है, जो भूमि को उर्वरा बनाने का काम करता है। गंगा का प्रवाह आदिकाल से भूमि को उपजाऊ बनाए रखने के लिए उपयोगी रहा है। अतएव हड्डियों का गंगा में विसर्जन खाद का काम करता है। इससे तय होता है कि ऋषि-मुनियों ने अस्थियों में फास्फोरस उपलब्ध होने और उससे उपज अच्छी होने के महत्व को जान लिया था। हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार पुत्र से ही कराने की मान्यता है। दरअसल पुत्र चूंकि पिता के वीर्यांश से उत्पन्न है, अतएव वह पिता का प्रतिनिधित्व करने का वाहक भी है। ब्रह्मा ने बालक को पुत्र कहा है। मनुस्मृति में 'पुं' नामक नरक से 'त्र' त्राण दिलाने वाले प्राणी को 'पुत्र' कहा है। इसी नाते यह पिंडदान एवं श्राद्धदि कर्म का दायित्व पुत्र पर है। हालांकि पुत्र नहीं होने पर पुत्री से भी ये संस्कार कराए जा सकते हैं। चूंकि हिंदु दर्शन मानता है कि मृत्यु के साथ मनुष्य का पूर्णतः अंत नहीं होता है। मृत्यु द्वारा आत्मा शरीर से पृथक हो जाती है और वायुमंडल में विचरण करती है। हालांकि यही आत्मा मनुष्य के जीवित रहते हुए भी स्वप्न-अवस्था में शरीर से अलग होकर भ्रमण करती है, लेकिन शरीर से उसका अंतर्सबंध बना रहता है। रुग्णावस्था में भी आत्मा और शरीर का अलगाव बना रहता है। लेकिन मृत्यु के बाद आत्मा पूर्णतः पृथक हो जाती है। ऋग्वेद में कहा भी गया है कि 'जीवात्मा अमर है और प्रत्यक्षतः नाशवान है। इसे ही और विस्तार से श्रीमद्भगवद् गीता में उल्लेखित करते हुए कहा है, आत्मा किसी भी काल में न तो जन्मती है और न ही मरती है। जिस तरह से मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर नए वस्त्र धारण कर लेता है, उसी अनुरूप जीवात्मा मृत शरीर त्यागकर नए शरीर में प्रवेश कर जाती है। आत्मा की अमरता और पुनर्जन्म की धारणा को अब वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध कर दिया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के गणित व भौतिकी के प्राध्यापक सर रोगर पेनरोज और एरीजोन विवि के भौतिक विज्ञानी डॉ स्टूअर्ट हामरॉफ ने दो दशक अध्यरत रहने के बाद स्वीकारा है कि 'मानव-मस्तिष्क एक जैविक कंप्यूटर की भांति है। इस जैविक संगणक की पृष्ठभूमि में अभिकलन (प्रोग्रामिंग) आत्मा या चेतना है, जो दिमाग के भीतर उपलब्ध एक कणीय (क्वांटम) कंप्यूटर के माध्यम में संचालित होती है। इससे तात्पर्य मस्तिष्क कोशिकाओं में स्थित उन सूक्ष्म नलिकाओं से है, जो प्रोटीन आधारित अणुओं से निर्मित हैं। बड़ी संख्या में ऊर्जा के सूक्ष्म स्रोत अणु मिलकर एक क्वांटम क्षेत्र तैयार करते हैं, जिसका वास्तविक रूप चेतना या आत्मा है। जब व्यक्ति दिमागी रूप से मृत्यु को प्राप्त होने लगता है, तब ये सूक्ष्म नलिकाएं क्वांटम क्षेत्र खोने लगती हैं। परिणामतः सूक्ष्म ऊर्जा कण मस्तिष्क की नलिकाओं से निकलकर ब्रह्मांड में चले जाते हैं। यानी आत्मा या चेतना की अमरता बनी रहती है।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

न्याय प्रणाली के भारतीयकरण की जरूरत

अनूप भटनागर

देश के प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण का मत है कि न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली का भारतीयकरण समय की मांग है। लेकिन इसमें महत्वपूर्ण सवाल यह जुड़ा है कि विविधता से परिपूर्ण भारत में न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण कैसे हो। प्रधान न्यायाधीश की यह चिंता भी उचित है कि अदालतों की कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होने की वजह से ग्रामीण अंचलों की जनता इसे समझ नहीं पाती हैं और वे खुद को इससे अलग-थलग महसूस करते हैं। यही नहीं, विवादों के समाधान के प्रयास में उसका धन भी ज्यादा खर्च होता है। निःसंदेह न्याय प्रणाली का भारतीयकरण तभी संभव और सफल होगा जब जिला स्तर पर लोगों को सहजता और सुगमता के साथ सस्ता न्याय मिलने लगे। इस दिशा में न्यायपालिका और केंद्र प्रयास भी कर रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का नतीजा देश में सफलतापूर्वक काम कर रही लोक अदालतें हैं, जबकि इसके विपरीत, सांध्य अदालत और ग्राम अदालत स्थापित करने के प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं। भारतीयकरण के लिए जरूरी है कि अदालतों के आदेश और फैसलों की भाषा भी सरल और आसानी से समझ में आने वाली हो। उच्चतम न्यायालय अदालतों के आदेशों और फैसलों में प्रयुक्त जटिल और पेचीदगी भरी भाषा पर लगातार चिंता भी व्यक्त कर रहा है। देश के विभिन्न राज्यों की अधिकांश अधीनस्थ अदालतों में राज्य की राजभाषा में ही कामकाज होता है जबकि उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय तथा दूसरे मंचों पर न्यायिक कामकाज अंग्रेजी भाषा में होता है, जहां निश्चित ही ग्रामीण परिवेश से आये वादकारियों को इस कार्यवाही को समझने में बहुत कठिनाई होती है। ग्रामीण अंचल के निवासियों के विवादों का सुगमता और सहजता से समाधान करने के इरादे से केन्द्र ने ग्रामीण अदालतों की स्थापना का निर्णय किया था। संसद ने 2008 में ग्राम न्यायालय कानून बनाया और महात्मा गांधी के जन्मदिन के अवसर पर दो अक्तूबर, 2009 को इस कानून को देश में लागू किया गया। इस कानून के तहत देश में पांच हजार से अधिक ग्राम अदालतों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया था। इस कानून का मकसद ग्रामीणों के विवादों को उनके गांव की सीमा में ही सुलझाना और उन्हें सुगमता से न्याय दिलाना था। परंतु ग्राम न्यायालय योजना राज्यों की उदासीनता के अभाव में अधिक कारगर नहीं हो सकी। इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए केन्द्र से वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। शीर्ष अदालत ने ग्राम अदालतों पर आने वाले खर्च की राशि बढ़ाने पर विचार करने का भी केंद्र को निर्देश दिया था। इस योजना के तहत शुरू में प्रति ग्राम अदालत भवन के लिए 10 लाख रुपये, वाहन के लिए पांच लाख रुपये और कार्यालय की साज-सज्जा के लिए तीन लाख रुपये के हिसाब से सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की गयी थी। इस योजना के तहत शुरू में सिर्फ 11 राज्यों में 343 ग्राम न्यायालयों को अधिसूचित किया था, लेकिन राज्यों में पर्याप्त संख्या में ग्राम न्यायालय स्थापित नहीं हुए। ग्राम न्यायालयों की स्थापना को लेकर नेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज फॉर

फास्ट जस्टिस नाम के संगठन ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद भी स्थिति में बहुत अधिक सुधार नहीं हुआ। इस मामले में न्यायालय ने राज्यों से हलफनामे पर जानकारी मांगी थी। अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं कराने वाले राज्यों पर न्यायालय ने जनवरी, 2020 में सख्त रुख अपनाया और उन पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। शीर्ष अदालत में यह मामला अंतिम बार 28 जुलाई, 2020 को सूचीबद्ध हुआ था। इन ग्राम न्यायालयों में सिर्फ उन्हीं मामलों की सुनवाई होनी थी, जिसमें अधिकतम दो साल की सजा हो सकती है। इन अदालतों को दीवानी और फौजदारी के सामान्य मामलों की सुनवाई के लिए कुछ अधिकार प्रदान किये गये थे। ऐसे मामलों को सुलझाने के लिये समझौता और अपराध कबूल करके सजा कम कराने के उपाय शामिल थे।इस कानून में यह भी व्यवस्था की गयी कि ग्राम न्यायालय के फैसले को 30 दिन के भीतर जिला अदालत या सत्र अदालत में चुनौती दी सकती है। जिला अदालत और सत्र अदालत को ऐसे मामले में छह महीने के भीतर निर्णय करने का प्रावधान भी कानून में किया गया। लेकिन यह योजना राज्य सरकारों के उदासीन रवैये के कारण सफल नहीं हो पा रही है। दरअसल, ग्राम न्यायालयों की स्थापना की धीमी प्रगति में इनके अधिकार क्षेत्र को लागू करने में पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों का ढुलमुल रवैया, नोटरी और स्टाम्प विक्रेताओं की अनुपलब्धता और नियमित अदालतों के समान अधिकार क्षेत्र की समस्या के योगदान से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि सरकार अंग्रेजों के जमाने के पुराने और अव्यावहारिक हो चुके कानूनों को रद्द करने की प्रक्रिया की तरह ही देशवासियों को सहजता से समझ में आने वाली कानूनी प्रक्रिया के भारतीयकरण के बारे में प्रधान न्यायाधीश के विचारों को गंभीरता से लेकर इस दिशा में ठोस कदम उठायेगी।

नजरिया

बीमा की कमजोर छतरी के साये में खड़े किसान

पंकज चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

साल 2016 में शुरू हुई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से इस साल आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, झारखंड, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य खुद को अलग कर चुके हैं। यदि गहराई से आंकड़ों का आकलन करें, तो पाएंगे कि किसानों का फसल सुरक्षा बीमा असल में निजी कंपनियों के लिए मुनाफे की मशीन हैं। महज दो वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2019-20 के बीच किसानों ने 31,905 करोड़ रुपये का प्रीमियम चुकाया और उन्हें मुआवजे में मिले 21,937 करोड़ रुपये। जाहिर है, दो वर्ष में ये 10,000 करोड़ रुपये निजी बीमा कंपनियों की जेब में चले गए। महाराष्ट्र में इस अवधि में 4,787 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया और फसल नुकसान की भरपाई पर मिले 3,094 करोड़ रुपये। पश्चिम बंगाल में किसानों ने जमा किए 281 करोड़ और उन्हें महज 59 करोड़ के दावे का भुगतान हुआ। उत्तर प्रदेश में प्रीमियम भुगतान था 1,895 करोड़ रुपये व दावे का भुगतान महज 595 करोड़ रुपये। वर्ष 2016 से 2019-20 तक 2307.4 लाख किसानों ने बीमा कराया, इनमें से 772.1 लाख यानी 33.46 प्रतिशत को ही लाभ मिला। फसल बीमा योजना के तहत किसान को बुवाई के दस दिन के भीतर आवेदन देना होता है। खरीफ की फसल में दो प्रतिशत व रबी की फसल में डेढ़ फीसदी प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता है। खरीफ में महज चार फसलें ही बीमा में आती हैं- धान, मक्का, कपास और बाजरा, जबकि रबी में गेहूं, चना, जौ, सरसों और सूरजमुखी को शामिल किया गया है। देश में कुल बुवाई के 30 फीसदी क्षेत्र से अधिक को बीमा कवर देने में कंपनियां असमर्थता दिखा चुकी हैं। किसानों व राज्य सरकारों का इस योजना से मोहभंग होने का कारण इस अवधि के 2,286.6 करोड़ रुपये के दावे का लटके रहना है। यह जानकारी 6 जुलाई, 2021 तक की है। इसमें झारखंड, तेलंगाना और गुजरात में सबसे अधिक मामले लंबित हैं। यह सभी जानते हैं कि बाढ़ हो या सूखा, दोनों हालात में किसान ही सीधे प्रभावित होता है। किसानी महंगी होती जा रही है, साथ ही, कर्ज से उस पर दबाव बढ़ रहा है। सरकार में बैठे लोग किसान को कर्ज बांटकर सोच रहे हैं कि इससे खेती का दशा बदल जाएगी, जबकि किसान चाहता है कि उसे उसकी फसल की कीमत की गारंटी मिल जाए। यह विडंबना ही है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहलाने वाली खेती के विकास के नाम पर बुनियादी सामाजिक सुधारों को नजरअंदाज किया जाता रहा। कहने को सरकारी स्तर पर फसल बीमा की कई लुभावनी योजनाएं सरकारी दस्तावेजों में मिल जाएंगी, लेकिन अनपढ़, सुदूर इलाकों में रहने वाले किसान अनभिज्ञ होते हैं। सबसे बड़ी बात कि योजनाओं के लिए इतने कागज-पत्तर भरने होते हैं कि किसान उनसे मुंह मोड़ लेता है। देश की आजादी के साथ ही किसानों को सुरक्षित भविष्य के सपने दिखाए जाने लगे थे। साल 1947 में डॉ राजेंद्र प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किए गए केंद्रीय विधान में फसल बीमा पर राष्ट्रव्यापी बहस की जरूरत का उल्लेख किया गया था। इस बाबत मसौदा तैयार करने में पूरे 18 साल लगे। 1965 में केंद्र सरकार ने फसल बीमा पर पहला बिल पेश किया। इसे लागू करने के तरीके खोजने की बात पर फिर से लंबा सन्नाटा छा गया। 1970 में धरमनारायण कमेटी ने फसल की वास्तविक कीमत के अनुरूप बीमा की किसी योजना के क्रियान्वयन को असंभव बताया था। इसके जवाब में प्रो वी एम दांडेकर ने फसल बीमा योजना को व्यावहारिक रूप देने की एक विस्तृत रिपोर्ट बनाई थी। खैर, साल 1985 में फसल बीमा योजना को खेती के वास्ते कर्ज लेने वालों के लिए अनिवार्य कर दिया गया। इसमें बीमा राशि को कर्ज का तीन गुना कर दिया गया, ताकि नुकसान होने पर किसान के पल्ले भी कुछ पड़े। जून-1999 में तब के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नए सपनों के साथ 'राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना' राष्ट्र को समर्पित की थी। जुलाई 2000 में तत्कालीन कृषि मंत्री नीतीश कुमार ने संसद में 'राष्ट्रीय कृषि नीति' की चर्चा की थी। फसल बीमा योजना से किसान किस तरह लाभान्वित हुआ है, इसकी हकीकत तो किसान आत्महत्या के आंकड़े बयान कर ही देते हैं। अफसोस की बात है, देश में आज भी ऐसी बीमा योजना नहीं है, जो निजी कंपनियों की नहीं, बल्कि आम किसानों की रक्षा कर सके।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत में दूसरी तिमाही में ग्लांस का सक्रिय उपयोगकर्ता आधार 150 मिलियन तक पहुंचा

नई दिल्ली। इनमोबी ग्रुप के स्वामित्व वाले लॉकस्क्रीन प्लेटफॉर्म ग्लांस ने दूसरी तिमाही में भारत में 15 करोड़ सक्रिय यूजर्स की उपलब्धि हासिल कर ली है। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट के अनुसार, 151 मिलियन सक्रिय उपयोगकताओं के साथ, ग्लांस ने दूसरी तिमाही में तिमाही-दर-तिमाही में 8 प्रतिशत की वृद्धि की। अनुसंधान विश्लेषक, आरुषि चावला ने एक बयान में कहा कि भारत एक मोबाइल पर बेस्ड देश है, जहां 90 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता इसे स्मार्टफोन से एक्सेस करते हैं। चूंकि समग्र स्मार्टफोन बाजार परिपक्व और समेकित हो रहा है, शीर्ष ओईएम बाजार के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर रहे हैं, इसलिए इसे बनाए रखना भी एक चुनौती है। चावला ने कहा कि ऐसे परिदृश्य में, दीर्घकालिक मूल्य सृजन ओवर-द-टॉप (ओटीटी) सेवाओं के माध्यम से भिन्नता प्रदान करने पर अधिक निर्भर करेगा। इसलिए, ग्लांस शीर्ष चार स्मार्टफोन के वर्तमान उपयोगकर्ता आधार के आधे से अधिक में अपनी उपस्थिति के साथ भारत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हर चार भारतीय स्मार्टफोन उपयोगकर्ता में से एक अब ग्लांस प्लेटफॉर्म पर सक्रिय है, जो एंड्रॉयड स्मार्टफोन उपयोगकताओं को एक इंटरैक्टिव लॉकस्क्रीन अनुभव प्रदान करता है। एक पूर्व-स्थापित लॉकस्क्रीन एप्लिकेशन के रूप में आने वाला ग्लांस नए स्मार्टफोन उपयोगकताओं को घर्षण रहित ऑन-बोर्डिंग प्रदान करता है। इसके अलावा, यह अपने प्लेटफॉर्म पर स्टीकीनैस पैदा करने के लिए आकर्षक तरीके ईजाद करता रहता है। मार्केट रिसर्च फर्म के अनुसार, ग्लांस की 250 डॉलर से कम कीमत वाले बैंड में मजबूत उपस्थिति बनी हुई है, जो इसके सक्रिय उपयोगकर्ता आधार का लगभग 80 प्रतिशत है। इसके अलावा, 5जी स्मार्टफोन स्थापित बेस का दसवां हिस्सा ग्लांस प्लेटफॉर्म से लैस है, इस प्रकार यह कंटेंट इनोवेशन के अगले चरण के लिए भविष्य के लिए तैयार टेस्ट पैड बनाता है।

फोर्ड मोटर के अधिकारी के साथ बैठक विफल रही: यूनियन

चेन्नई। फोर्ड मोटर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के साथ भारत में वाहन उत्पादन बंद करने के कॉर्पोरेट निर्णय पर फिर से विचार करने के लिए हुई बैठक विफल रही। फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एक केंद्रीय अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। श्रमिक संघ ने भारत में चार में से तीन संयंत्रों को बंद करने के निर्णय में शामिल फोर्ड मोटर कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करने के लिए कहा था। यूनियन के एक नेता ने आईएएनएस को बताया, हमने सोमवार को फोर्ड मोटर कंपनी के आईएमजी (इंटरनेशनल मार्केट्स ग्रुप) के एक अधिकारी के साथ बैठक की। हमें बताया गया कि भारतीय संयंत्रों को बंद करने का निर्णय अंतिम है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उनके अनुसार, श्रमिक अपनी नौकरी की सुरक्षा के लिए हैं न कि किसी एकमुश्त मुआवजे के लिए। 9 सितंबर को, फोर्ड इंडिया ने घोषणा की कि वह 2021 की चौथी तिमाही तक गुजरात के साणंद में वाहन असेंबली और 2022 की दूसरी तिमाही तक चेन्नई में वाहन और इंजन निर्माण को बंद कर देगी। फोर्ड इंडिया के देश में चार संयंत्र हैं- चेन्नई और साणंद में वाहन और इंजन संयंत्र हैं। अधिकारियों ने कहा कि फोर्ड के भारत छोड़ो के फैसले से लगभग 5,300 कर्मचारियों- श्रमिकों और स्टाफ के लिए भविष्य अनियत हो जाएगा। फोर्ड इंडिया के चेन्नई संयंत्र में लगभग 2,700 सहयोगी (स्थायी कर्मचारी) और लगभग 600 कर्मचारी हैं। साणंद मजदूर संघ के महासचिव नयन कटेशिया ने आईएएनएस से कहा, साणंद में श्रमिकों की संख्या करीब 2,000 होगी। फोर्ड इंडिया ने कहा था कि साणंद इंजन प्लांट में 500 से अधिक कर्मचारी, जो निर्यात के लिए इंजन का उत्पादन करते हैं, और लगभग 100 कर्मचारी पुर्जे वितरण और ग्राहक सेवा का समर्थन करते हैं, भारत में फोर्ड के कारोबार का समर्थन करना जारी रखेंगे। फोर्ड इंडिया के मुताबिक, इसके फैसले से करीब 4,000 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। फोर्ड इंडिया के कर्मचारी चाहते हैं कि कार संयंत्रों का संभावित खरीदार उन्हें काम पर रखें।

चीन की कंपनियों ने हाल में भारत के हाईवे प्रोजेक्ट्स में नहीं किया है निवेश: गडकरी

(एजेंसी):

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि चीनी कंपनियों ने हाल के दिनों में भारत में राजमार्ग परियोजनाओं में निवेश नहीं किया है। इससे पहले चीन के साथ सीमा गतिरोध के बीच, गडकरी ने जुलाई 2020 में कहा था कि भारत चीनी कंपनियों को राजमार्ग परियोजनाओं में भाग लेने की मंजूरी नहीं देगा। उन्होंने कहा था कि इसमें संयुक्त उपक्रमों के जरिए भागीदारी पर रोक भी शामिल होगी। चीनी कंपनियों ने हाल के दिनों में भारत की राजमार्ग परियोजनाओं में निवेश किए जाने के सवाल पर गडकरी ने ना में जवाब दिया। हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से कुछ नहीं बताया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि भारत को अपना निर्यात बढ़ाना होगा और आयात कम करना होगा।

टेस्ला को कर रियायत का फैसला वित्त मंत्रालय करेगा

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क में कमी की अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला की मांग जुड़े एक सवाल को लेकर गडकरी ने कहा, 'टेस्ला को कोई कर रियायत देने का फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा।' उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार परिवहन के लिए एक संभावित ईंधन के तौर पर ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर संभावनाएं तलाश रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''भविष्य के भारत' के निर्माण के लिए हमें अपना निर्यात बढ़ाना होगा और आयात कम करना होगा।''

वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली: टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कहा कि वह बढ़ती लागत के प्रभाव को दूर करने के लिए एक अक्टूबर से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में करीब दो प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी। ऑटो कंपनी ने एक बयान में कहा कि दो प्रतिशत तक की प्रभावी मूल्य वृद्धि वाहन के मॉडल और संस्करण के आधार पर की जाएगी। बयान के मुताबिक इस्पात और कीमती धातुओं जैसी वस्तुओं की लागत में निरंतर वृद्धि के कारण कंपनी को उत्पादों की कीमत में वृद्धि करने की जरूरत पड़ रही है। टाटा मोटर्स देश में वाणिज्यिक वाहनों की सबसे बड़ी निर्माता है। इन वाहनों में ट्रक, बस और हल्के वाणिज्यिक वाहन शामिल हैं।

जल्द लग सकता है महंगाई का झटका, अगले साल बढ़ सकते हैं नेस्ले के उत्पादों के दाम

नई दिल्ली: मैगी, दूध पाउडर जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली नेस्ले इंडिया के प्रमुख सुरेश नारायणन ने सोमवार को कहा कि जिंसों के दाम में तेजी के चलते अगला साल 2022 कठिन वर्ष हो सकता है। इससे विनिर्माताओं के लिए ऊंची खाद्य मुद्रस्फीति की स्थिति बन सकती है। कंपनी को दूध, कॉफी, तेल कीमतों समेत अन्य कच्चे माल के दाम में तेजी की आशंका है। नारायणन ने कहा कि पिछले छह से आठ महीनों में कीमत में औसत एक से तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिंस के दाम के लिहाज से 2021 की पहली छमाही नरमी वाली अवधि रही है। डिब्बाबंद उत्पाद और कच्चे तेल को छोड़कर दूध तथा गेहूं के दाम लगभग स्थिर रहें। नारायणन ने मीडिया के साथ 'ऑनलाइन' बातचीत में कहा, ÷आने वाला वर्ष 2022 कठिन हो सकता है। जहां तक दूध का सवाल है, निश्चित रूप से कीमतों में तेजी है।'' उन्होंने यह भी कहा कि नेस्ले इंडिया स्त्री-पुरूष विविधता के प्रयासों के तहत महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रही है। वर्तमान में, नेस्ले इंडिया के कुल कर्मचारियों में लगभग 23 प्रतिशत महिलाएं हैं। नारायणन ने कहा, ''जब मैं 2015 में नेस्ले इंडिया आया था, उस समय लगभग 15-16 प्रतिशत महिला कर्मचारी थी। अब यह संख्या 23 प्रतिशत हो गई है।''

महामारी से निपटने के तौर-तरीकों पर अडानी ने कहा- आलोचना हो, पर देश के सम्मान की कीमत पर नहीं

(एजेंसी):

अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने के प्रयासों का बचाव किया है। अडानी ने सोमवार को प्रियदर्शनी अकादमी के वैश्विक अवॉर्ड कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आलोचना राष्ट्रीय मान-सम्मान तथा देश के विश्वास को ठेस पहुंचाने की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

आत्मनिर्भरता से बेहतर कोई बचाव नहीं

उन्होंने कहा कि भारत ने जिस तरह से महामारी का मुकाबला किया वह अपने-आप में सभी के लिए सबक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की स्थितियों से निपटने के लिए आत्मनिर्भरता से बेहतर कोई बचाव नहीं है। अडानी समूह के चेयरमैन ने कहा कि अगले दो दशक में भारत की सबसे बड़ी और युवा मध्यम वर्गीय आबादी होगी। भारत एक ऐसा बाजार होगा जिसे प्रत्येक वैश्विक कंपनी लक्ष्य करना चाहेगी। अडानी ने कहा, ''इस उत्साह में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि महामारी से लड़ने के लिए हमें अकेला छोड़ दिया गया था। इसका मतलब यह नहीं है कि आलोचना नहीं हो सकती लेकिन यह आलोचना राष्ट्रीय मान-प्रतिष्ठा और देश के भरोसे को नुकसान पहुंचाने की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। यह समाज को बांटने के लिए नहीं होनी चाहिए। अन्यथा हम उन लोगों के हाथों में खेलने लगेंगे जो भारत को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते।''

देश की कंपनियों को करना चाहिए आपस में सहयोग

अडानी ने कहा, ''चाहे हरित दुनिया के लिए सतत प्रौद्योगिकी की बात हो या भारत को जोड़ने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी, अधिक साक्षर भारत के लिए शिक्षा समाधान, स्वस्थ भारत के लिए चिकित्सा समाधान, किसानों के लिए कृषि समाधान या अन्य अनुकूल ढांचे की बात हो, निकट भविष्य में ये हजारों अरब डॉलर के अवसर होंगे।''

उन्होंने कहा, ''ये आत्मनिर्भरता की आधारशिला रखेंगे। इस यात्रा को हमारे देश की कंपनियों को आगे बढ़ाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के बीच व्यापार और वित्त का विस्तार, एकीकरण और अधिक गहराई से जुड़ना तय है।''

जमकर खरीदारी से इक्विटी में बढ़त, तेल शेयरों में तेजी

मुंबई (एजेंसी)।

बढ़ते निर्यात और समर्थन से मंगलवार को दोपहर के कारोबार सत्र के दौरान भारत के प्रमुख शेयर सूचकांकों में तेजी आई। दोनों प्रमुख सूचकांक, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 बिकवाली के एक दिन बाद बढ़े, जो कमजोर एशियाई संकेतों के कारण शुरू हुआ। बाजार पर्यवेक्षकों के अनुसार, रियल्टी, तेल और गैस, आईटी और एफएमसीजी शेयरों के लिए स्वस्थ खरीदारी समर्थन के कारण यह तेजी आई है। सेक्टर वार, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और यूटिलिटीज सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। दोपहर करीब 1.30 बजे, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 58,718.40 अंक पर कारोबार कर रहा था, जो अपने पिछले बंद से 227.47 अंक या 0.39 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह एनएसई निफ्टी50 में भी तेजी रही। यह अपने पिछले बंद से 75 अंक या 0.43 प्रतिशत अधिक बढ़कर 17,424.30 अंक पर पहुंच गया। कैपिटल वाया ग्लोबल रिसर्च, अनुसंधान प्रमुख गौरव गर्ग ने कहा, व्यापारियों को समर्थन मिल रहा था, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने नवीनतम सर्वेक्षण में दिखाया है कि भारतीय कंपनियों के विदेशी सहयोगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं सहित सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख दीपक जसानी के अनुसार, चीन का एवरग्रांडे डिफॉल्ट जोखिम वैश्विक बाजारों में भावनाओं को प्रभावित कर रहा है। यूएस फेड बुधवार को अपनी नवीनतम आर्थिक और ब्याज दर नीति अपडेट देने के कारण है। हालांकि सुबह में निफ्टी ने सोमवार के निचले स्तर को तोड़ा, लेकिन बाद में दोपहर में यह ऊपर आ गया। निफ्टी में 17,326-17,362 सपोर्ट बैंड को बाजारों में और कमजोरी के संकेत के लिए बारीकी से ट्रैक किया जा सकता है। इसके अलावा, एमओएफएसएल के तकनीकी और डेरिवेटिव्स विश्लेषक चंदन तापरिया ने कहा, निफ्टी और बैंक निफ्टी मजबूत हो रहे हैं और एक रस्साकशी देखी जा सकती है। व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से आगे बढ़े। मौजूदा समय में, हम खपत, आईटी और चुनिंदा निजी बैंकों के स्थान में अच्छी गति देख रहे हैं और कोई भी पिडिलाइट, एचयूएल, कोटक बैंक और एलटीटीएस जैसे काउंटरों में खरीदारी के अवसर की तलाश कर सकता है।

अमेजन ने 2018-20 के दौरान कानूनी मामलों में खर्च किए 8,546 करोड़ रुपए

(एजेंसी):

अमेरिका की ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने 2018-20 के दौरान भारत में अपनी मौजूदगी को बनाए रखने के लिए कानूनी गतिविधियों पर 8,546 करोड़ रुपए यानी 1.2 अरब डॉलर खर्च किए हैं। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा भारत स्थित उसके कानूनी प्रतिनिधियों द्वारा कथित रूप से रिश्वत दिए जाने के मामले की जांच किए जाने की रिपोर्टों के बीच यह जानकारी सामने आई है।

सूत्रों ने बताया कि अमेजन की छह इकाइयों अमेजन इंडिया लि. (होल्डिंग कंपनी), अमेजन रिटेल इंडिया प्राइवेट लि., अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लि., अमेजन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लि., अमेजन होलसेल (इंडिया) प्राइवेट लि.और अमेजन इंटरनेट सर्विसेज प्राइवेट लि.(एडब्ल्यूएस) ने 2018-19 में कानूनी शुल्क के रूप में 3,420 करोड़ रुपए खर्च किए वहीं 2019-20 में कंपनी ने 5,126 करोड़ रुपए कानूनी मामलों पर खर्च किए। अमेजन फ्यूचर समूह के अधिग्रहण के मुद्दे पर कानूनी लड़ाई में उलझी है। इसके अलावा वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच का भी सामना कर रही है। हालांकि, कंपनी ने विधि शुल्क के मुद्दे पर कुछ कहने से इनकार किया।

कैट ने किया दावा

व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दावा किया है कि अमेजन राजस्व का 20 प्रतिशत वकीलों पर खर्च कर रही है, जिस पर सवालिया निशान खड़ा होता है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में कहा, ''जिस तरीके से अमेजन और उसकी अनुषंगियां विधि पेशेवरों के शुल्क पर खर्च कर रही हैं, उससे पता चलता है कि कंपनी किस तरीके से अपनी वित्तीय ताकत का दुरुपयोग कर भारत सरकार के अधिकारियों को रिश्वत दे रही है।''

सीबीआई जांच की मांग

हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई प्रमाण नहीं देते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। सोमवार को 'मॉर्निंग कन्टेक्स्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन ने कथित रूप से भारत सरकार के अधिकारियों को रिश्वत देने के मामले में अपने कुछ विधि प्रतिनिधियों की जांच शुरू की है।

सोने में गिरावट, चांदी में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें गिरीं हैं जबकि चांदी में उछाल आया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने में तीन रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी आई है। राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का भाव 45,258 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, वहीं पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 45,261 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई और ये 1,761 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी हल्का उछाल आया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी 40 रुपये की बढ़त के साथ ही 58,750 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई जबकि गत दिवस चांदी 58,710 रुपये प्रति किग्रा रही थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम में अधिक बदलाव नहीं हुआ और ये 22.42 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

ट्रक ड्राइवरों के हक में बोले गडकरी- पायलटों की तरह ट्रक चालकों के लिए भी हों काम के घंटे

(एजेंसी):

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए व्यावसायिक ट्रक चालकों के लिए गाड़ी चलाने का समय तय किए जाने की वकालत की है। इसके अलावा उन्होंने वाणिज्यिक वाहनों में चालक को नींद आने का पता लगाने वाले सेंसर लगाने पर भी जोर दिया।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी

गडकरी ने मंगलवार को कई ट्वीट कर कहा कि पायलटों की तरह ट्रक चालकों के लिए भी ड्राइविंग के घंटे निश्चित होने चाहिए।

इससे थकान की वजह से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''मैंने अधिकारियों से यूरोपीय मानकों के अनुरूप वाणिज्यिक वाहनों में वाहन चलाते समय नींद आने का पता लगाने वाले सेंसर को लेकर नीति पर काम करने को कहा है। उन्होंने कहा कि वह जिला सड़क समितियों की नियमित बैठक बुलाने के लिए मुख्यमंत्रियों और जिला कलेक्टरों को पत्र लिखेंगे। इससे पहले मंगलवार को गडकरी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद (एनआरएससी) में नामित नए सदस्यों के साथ परिचय बैठक में शामिल हुए। मंत्री ने बताया कि उन्होंने परिषद की बैठक हर दो माह में आयोजित करने का निर्देश दिया है।

एप्पल आईओएस 15 अब डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

टेक दिग्गज एप्पल आईओएस 15, आईपैडओएस 15, वॉचओएस 8 और टीवीओएस 15 को आईफोन, आईपैड, एप्पल वॉच और एप्पल टीवी डिवाइस के लिए रोल आउट कर रही है। ये अब डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होंगे। एन्गैजेट की रिपोर्ट के अनुसार, हो सकता है कि उपयोगकर्ता अपडेट को तुरंत न देखें, लेकिन ये उपलब्ध होने पर उनके पास और अधिक सुविधाओं तक पहुंच होगी। आईफोन और आईपैड दोनों पर फेसटाइम और मैसेज को अपग्रेड किया गया है। फेसटाइम स्थानिक ऑडियो को सपोर्ट करता है और बैकग्राउंड शोर को कम करता है, जबकि लोग वेब और एंड्रॉइड पर साझा करने योग्य लिंक के माध्यम से फेसटाइम कॉल में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि समाचार, संगीत, टीवी और पॉडकास्ट ऐप में समर्पित टैब की बदौलत संदेशों में आपके दोस्तों और परिवार द्वारा आपके साथ साझा की जाने वाली चीजों पर नजर रखना आसान होगा। नोटिफिकेशन में भी बदलाव किया गया है। उपयोगकर्ताओं के पास पुश अलर्ट पर अधिक नियंत्रण होगा और जब वे नए फोकस मोड में से किसी एक को सक्रिय करेंगे तो वे के जरिए केवल चुनिंदा ऐप्स और लोगों तक नोटिफिकेश पहुंचा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईपैड पर क्विक नोट्स अब एक सिस्टम-वाइड फीचर है। कीबोर्ड या ऐप्पल पेंसिल का उपयोग करके कुछ विचारों को लिखने के लिए इसे नीचे की ओर दाएं कोने से सिर्फ स्वाइप करना होगा। एक चीज जो आईओ 15 और आईपैडओएस 15 में लॉन्च के समय नहीं होती, वह है शेयरप्ले फीचर। यह आपको फेसटाइम पर दोस्तों के साथ फिल्मों, शो और संगीत का आनंद लेने देता है और आप उनके साथ अपनी स्क्रीन साझा कर सकते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2021: दिल्ली कैपिटल्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा

दुबई (एजेंसी)।

अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स की टीम का सामना निचले स्थान की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में बुधवार को होगा।

कोरोना के मामले सामने आने के कारण आईपीएल 2021 के स्थगित होने से पहले दिल्ली की टीम ने आठ मैचों में छह जीत हासिल कर 12 अंक लिए थे जबकि हैदराबाद की टीम सात मैचों में सिर्फ एक ही मैच जीत सकी थी। हैदराबाद की टीम ने इस दौरान कप्तानी में बदलाव किया। उनकी नजरें यूएई में अब तरोताजा होकर शुरूआत करने पर होगी।

श्रेयस अय्यर के वापस आने से दिल्ली की टीम और भी मजबूत हुई है जबकि हैदराबाद टीम को टी. नटराजन से उम्मीदें हैं। तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2020 में 16 मैचों में 16 विकेट लिए थे। उन्होंने आईपीएल 2021 के पहले चरण में सात में से सिर्फ दो मुकाबले खेले। नटराजन की घुटने की सर्जरी हुई जिसके कारण वह इंग्लैंड दौरे पर नहीं जा सके। उनकी जगह सौराष्ट्र के गेंदबाज अरजान नागवसवाला को इंग्लैंड भेजा गया था। नटराजन की वापसी से हैदराबाद को गेंदबाजी विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद है। हैदराबाद को साथ ही मध्यक्रम से भी प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी जिसमें कुछ युवा भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं।

दिल्ली के पास आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका: रबादा

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा का कहना है कि टीम के पास आईपीएल के इस सीजन के प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है।

दिल्ली ने टूर्नामेंट के पहले चरण में आठ में से छह मुकाबले जीते हैं और वह 12 अंकों के साथ चेन्नई सुपर किंग्स के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर है। रबादा ने कहा, मेरे ख्याल से खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं क्योंकि पहले चरण के बाद इन्होंने कुछ क्रिकेट खेला है। यह टीम के लिए सकारात्मक बात है। टूर्नामेंट के दूसरे चरण की शुरूआत

तालिका में शीर्ष पर रहने से करना अच्छा है। हालांकि, हमें अभी और भी काम करने है। हमारे पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने और फाइनल में जाने का अच्छा मौका है। उन्होंने कहा, दिल्ली के वातावरण में मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं विदेशी खिलाड़ी हूं। हम सभी एक दूसरे को जानते हैं। आईपीएल में नहीं खेलने के दौरान भी हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। मैं श्रेयस अय्यर से भी जुड़ा रहा और खिलाड़ियों के जन्मदिन पर भी हम उन्हें बधाई देते हैं। अय्यर की वापसी पर रबादा ने कहा, अय्यर का वापस आना सुखद है। टीम के संतुलन के लिए वह अच्छे हैं। मुझे यकीन है कि वह खेलने के लिए तत्पर होंगे।

राशिद बल्लेबाजों को खेलने के लिए ज्यादा समय नहीं देते: मुरलीधरन

नई दिल्ली। श्रीलंका के महान ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि राशिद खान बल्लेबाजों को खेलने के लिए ज्यादा समय नहीं देते हैं जो उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सफल गेंदबाज बनाता है।

मुरलीधरन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के स्पिन गेंदबाजी सलाहकार हैं। राशिद आईपीएल में हैदराबाद फेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हैं और मुरलीधरन ने

उनके साथ काफी काम किया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के ऑन द बॉल कार्यक्रम में अपनी टीम के सबसे खतरनाक गेंदबाज राशिद के बारे में पूछे जाने पर मुरलीधरन ने कहा, राशिद तेज गति से गेंदबाजी करते हैं। बहुत कम बार आपको उनके खिलाफ आसानी से खेलने का मौका मिलता है। अगर वह छोटी गेंद भी डाले तो आप उस पर प्रहार नहीं कर सकते। अगर आप उनकी गुगली को हाथों से पढ़ने में चूके तो आप फंस जाओगे और यह उनकी खासियत है। यह पूछे जाने पर कि क्या मुरलीधरन नेट्स में पीछे खड़े रहकर राशिद की गेंदों को पढ़ पाते हैं, उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी ज़िंदगी में नंबर 10 और 11 का बल्लेबाज रहा हूं। मैं दूसरे गेंदबाजों को नहीं पढ़ पाता था तो मैं राशिद जैसे बढ़िया गेंदबाज को कैसे पढ़ पाऊंगा। उन्हें हाथ से पढ़ पाना बहुत कठिन है। कभी-कभी अच्छे भारतीय बल्लेबाज उनकी गेंदों को पढ़ लेते हैं लेकिन ऐसा हर बार नहीं होता। विदेशी बल्लेबाज उनके सामने चकमा खा जाते हैं। अगर आप उनकी गेंद को पिच से पढ़ने की कोशिश करोगे तो बहुत देर हो जाएगी। हैदराबाद की टीम आईपीएल 2021 की अंक तालिका में फिलहाल सात मैचों में एक जीत और छह हार के साथ दो अंक लेकर सबसे नीचे आठवें स्थान पर है। हैदराबाद का आईपीएल के इस सीजन के दूसरे चरण में सामना बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में मिताली राज का जलवा बरकरार, झूलन गोस्वामी को एक स्थान का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज मंगलवार को जारी आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) महिला वनडे रैंकिंग में टॉप स्थान पर बरकरार हैं, जबकि न्यूजीलैंड की एमी सैटरथवेट ने टॉप पांच में वापसी की। मिताली के नाम 762 रेटिंग प्वॉइंट्स हैं। इस लिस्ट में टॉप 10 में स्मृति मंधाना भी शामिल हैं जो सातवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में नाबाद 79 रन की पारी खेलने वाली सैटरथवेट ने टॉप पांच खिलाड़ियों में वापसी की।

पिछली रैंकिंग लिस्ट में मिताली के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर काबिज दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली लेटेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों से बाहर रहने के कारण उनका एक रेटिंग प्वॉइंट घट गया। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने रैंकिंग में पांच स्थान का सुधार किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 107 गेंदों में 89 रनों की मैच जिताने वाली पारी के दम पर वे टॉप 10 खिलाड़ियों में जगह बनाने में सफल रहीं हैं। वे नताली साइवर और लौरा वोल्वार्ड्ट के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि स्पिनर पूनम यादव गेंदबाजों में नौवें स्थान पर बनी हुई हैं। भारत की दीप्ति शर्मा ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी की अगुवाई वाली ऑलराउंडर खिलाड़ियों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

आरसीबी को मिली शर्मनाक हार के बाद बदली अंकतालिका की स्थिति

दुबई (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 के 31वें मुकाबले में आरसीबी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 विकेट से हरा दिया. आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए थे और कोलकाता को जीत के लिए 93 रन का लक्ष्य दिया था. लेकिन कोलकाता की टीम ने 10 ओवर में ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया. केकेआर की तरफ से शुभ्मन गिल और वेंकेटेशन अय्यर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की.

इस मैच में मिली शर्मनाक हार के बाद आरसीबी को काफी नुकसान हुआ है. अंकतालिका की स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है. केकेआर की टीम को इस जीत के बाद अंकतालिका में 2 स्थान का फायदा हुआ है. आरसीबी की टीम शर्मनाक हार के बाद भी तीसरे नंबर पर बनी हुई है. जबकि केकेआर की टीम 6 अंकों के साथ सातवें स्थान से पांचवें पायदान पर पहुंच गई है. इस जीत के साथ ही केकेआर के नेट रन रेट में भी सुधार हुआ है. वहीं अंकतालिका में शीर्ष पर चेन्नई सुपर किंग्स की टीम है जिसके 12 अंक हैं और नेट रन रेट भी अच्छा है. वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम 12 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है. आरसीबी की टीम ने आठ में से सात मैच जीते हैं और वह 10 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर है. वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस अंकतालिका में 8 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बनी हुई है.

हार का कोहली के बयान से कोई लेना देना नहीं : हेसन

दुबई (एजेंसी)।

रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कोच माइक हेसन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार का विराट कोहली के आईपीएल 2021 सीजन के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने वाले बयान से कोई लेना देना नहीं है।

केकेआर ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में आरसीबी को 92 रनों पर रोकने के बाद नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की।

आईपीएल के शुरूआत से ही आरसीबी का हिस्सा रहे कोहली 2013 में टीम के कप्तान बनाए गए थे और उन्होंने 19 सितंबर को घोषणा की कि वह आईपीएल 2021 के बाद टीम की कप्तानी छोड़ेंगे।

हेसन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका कोहली के बयान से कोई लेना देना है। मुझे लगता है कि किसी भी प्रकार के व्याकुलता को जल्दी से दूर करना महत्वपूर्ण था और हमने उस घोषणा को जल्द से जल्द करने के बारे में बात की ताकि सभी खिलाड़ियों को इसके बारे में पता चल सके। निश्चित तौर पर इसका इस मैच के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। हम उतने तेज नहीं थे जितने हमें बल्ले के साथ रहने की जरूरत थी, हम परिस्थितियों के अनुकूल नहीं थे, हमने लगातार विकेट गंवाए।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि एबी डिविलियर्स के पास ग्लव्स नहीं थे। निश्चित रूप से हमें डिविलियर्स की ओर देखना होगा। वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और ऐसा नहीं है कि हम इस समय स्टंप के पीछे जोखिम उठा सकते हैं।

गांगुली ने घरेलू खिलाड़ियों के मैच फीस में बढ़ोत्तरी पर जताई खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने एपेक्स काउंसिल के घरेलू खिलाड़ियों की मैच फीस में बढ़ोत्तरी पर खुशी जाहिर की है।

एपेक्स काउंसिल ने सोमवार को फैसला किया था कि घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा किया जाएगा और 2019/20 सीजन में खेलने वाले क्रिकेटरों को 2020/21 सीजन में कटौती के लिए अतिरिक्त 50 प्रतिशत शुल्क मिलेगा। काउंसिल ने कहा, 2019/20 घरेलू सीजन में भाग लेने वाले क्रिकेटरों को कोविड-19 स्थिति के कारण 2020/21 सीजन के नुकसान के मुआवजे के रूप में 50 फीसदी अतिरिक्त मैच शुल्क मिलेगा।

इस मामले पर खुशी जाहिर करते हुए बीसीसीआई अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा, एपेक्स काउंसिल द्वारा पारित घरेलू खिलाड़ियों, पुरुषों और महिलाओं की मैच फीस में वृद्धि से बहुत खुशी हुई। वे हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में भारत की सफलता की कुंजी रहे हैं। पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी का आयोजन नहीं होने के बाद कई भारतीय क्रिकेटरों ने आर्थिक रूप से परेशानी का सामना किया।

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के दौरा रद्द करने पर बोले रमीज, हम मैदान पर बदला लेंगे

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सुरक्षा चिंताओं के कारण अक्टूबर में अपनी पुरुष और महिला टीमों के पाकिस्तान दौरे को रद्द करने को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। इंग्लैंड से पहले न्यूजीलैंड ने पहले मैच के शुरू होने के कुछ देर पहले ही सीमित ओवरों का दौरा सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रद्द किया था। पीसीबी ने मंगलवार को वीडिया रिलीज किया जिसमें रमीज ने कहा, मैं इंग्लैंड के हटने से निराश हूं लेकिन इसकी उम्मीद थी क्योंकि पश्चिम देश एकजुट हो जाते हैं और एक दूसरे का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा,

आप सुरक्षा खतरे और धारणा के आधार पर कोई भी निर्णय ले सकते हैं। गुस्से की भावना थी क्योंकि पहले न्यूजीलैंड अपने सामने आने वाले खतरे के बारे में जानकारी साझा किए बिना हट गया। अब, इंग्लैंड लेकिन यह अपेक्षित था। यह हमारे लिए एक सबक है क्योंकि जब हम इन पक्षों की यात्रा करते हैं तो हमें सख्त क्वारंटीन से गुजरना पड़ता है और हम उनकी नसीहतों को बर्दाश्त करते हैं, लेकिन इसमें एक सबक है। यानी कि अब से हम उतना ही आगे बढ़ेंगे, जितना हमारे हित में है। पीसीबी इस गैप को भरने के लिए जिम्बाब्वे, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ चर्चा कर रहा है लेकिन इसमें लॉजिस्टिक दिक्कतें आ सकती हैं। रमीज ने कहा, हम विश्व कप में जाएंगे जहां हमारे निशाने पर अब भारत के अलावा न्यूजीलैंड और इंग्लैंड भी होंगे। हम अपने को मजबूत करेंगे और इस मानसिकता के साथ उतरेंगे कि हमें हारना नहीं है क्योंकि आपने हमारे साथ सही नहीं किया और हम इसका बदला मैदान में लेंगे।

हम ना केवल बने रहेंगे बल्कि समृद्ध भी होंगे: बाबर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पाकिस्तान का दौरा रद्द करने की घोषणा के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि उनके देश ने हमेशा खेल के हितों को समायोजित करने की कोशिश की है बल्कि अन्य लोग ऐसा नहीं करते हैं। इंग्लैंड ने पुरुष और महिला टीमों के अक्टूबर में होने वाले दौरे को रद्द कर दिया है। यह फैसला न्यूजीलैंड के अंतिम समय में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान दौरा रद्द होने के महज कुछ ही दिनों बाद लिया गया है। पाकिस्तान के कप्तान ने इसको लेकर दुख जताया है। बाबर ने ट्वीट कर कहा, एक बार फिर निराश। हमने हमेशा खेल के हितों को समायोजित करने की कोशिश की है लेकिन अन्य ऐसा नहीं करते हैं। हमने अपनी क्रिकेट यात्रा में एक लंबा सफर तय किया है और यह केवल समय के साथ बेहतर होगा। हम न केवल इसमें बने रहेंगे बल्कि समृद्ध भी होंगे। बाबर ने न्यूजीलैंड के दौरे से हटने के बाद कहा था कि उन्हें पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता और विश्वसनीयता पर पूरा भरोसा है।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मैडिसन विल्सन कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती

नेपल्स। आस्ट्रेलिया की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक मैडिसन विल्सन को कोविड-19 के उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विल्सन का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। उन्हें कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण नेपल्स में अंतरराष्ट्रीय तैराकी लीग से हटना पड़ा था। विल्सन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा है कि उन्हें आगे की देखभाल और निगरानी के लिये अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा, ''मैं विश्राम करने के लिये कुछ समय निकाल रही हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं जल्द ही वापसी करने के लिये तैयार रहूंगी।'' तोक्यो ओलंपिक में विल्सन ने 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण और 4×200 फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में भी रिले में एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया था।

ऑस्ट्रेलिया: महिलाओं का लंबा होता विश्व रिकॉर्ड, जीता लगातार 25वां वनडे मैच, भारत को 9 विकेट से हराया

महिला क्रिकेट : भारत के खिलाफ जीत में चमकीं रेचल और हेली

मकाय (एजेंसी)।

डार्सी ब्राउन (4/33) की शानदार गेंदबाजी के बाद रेचल हेन्स (नाबाद 93) और एलिसा हेली (77) की बेहतरीन पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने यहां हारुप पार्क में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारतीय महिला टीम को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान मिताली राज के 107 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 61 रन की पारी के दम पर 50 ओवर में आठ विकेट पर 225 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 41 ओवर में एक विकेट पर 227 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

ब्राउन को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत की ओर से पूनम यादव ने एकमात्र विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम को रेचल और हेली ने बेहतरीन शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 126 रनों की बड़ी साझेदारी की। इस साझेदारी को पूनम ने हेली को आउट कर तोड़ा। हेली ने 77 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों के सहारे 77 रन बनाए।

पहला विकेट गिरने के बाद रेचल ने कप्तान मेग लेनिंग के साथ पारी आगे बढ़ाई और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की अविजित साझेदारी कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की पारी में रेचल 100 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 93 और लेनिंग 69 गेंदों पर सात चौकों के सहारे 53 रन बनाकर नाबाद रहीं।

इससे पहले, भारत की शुरूआत कुछ खास नहीं रही और उसने शैफाली वर्मा (8) और स्मृति मंधाना (16) के विकेट जल्द गंवाए। फिर यास्तिका भाटिया ने मिताली के साथ भारतीय पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़े। हालांकि, यस्तिका के आउट होने के साथ ही इस साझेदारी का अंत हो गया। यास्तिका ने 51 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 35 रन बनाए।

नए बल्लेबाज के रूप में उतरीं दीप्ति शर्मा (9) रन बनाकर पवेलियन लौटीं जबकि अर्धशतक जड़ने के बाद मिताली ज्यादा देर अपनी पारी नहीं बढ़ा सकीं और पांचवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुईं। मिताली के आउट होने के बाद पूजा वस्त्राकर (17) और स्नेह राणा (2) के विकेट गंवाए।

अंत में ऋचा घोष ने झूलन गोस्वामी के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी की और टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। लेकिन गोस्वामी के आउट होने के साथ ही इस साझेदारी का अंत हो गया। गोस्वामी 24 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुईं जबकि ऋचा 29 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 32 और मेघना सिंह एक रन बनाकर नाबाद रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्राउन के अलावा सोफी मोलिनेउक्स और हनाह डार्लिंगटन को दो-दो विकेट मिले। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच इसी मैदान पर शुक्रवार को खेला जाएगा।

मैथ्स में हैं एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं करियर

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवव्यस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

बदलाव के लिए करें खुद को तैयार

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत: वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

इस तरह कर सकते हैं ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

उत्साह और जुनून के साथ भरें देशभक्ति की उड़ान

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश: मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

सार समाचार

जापान: 4 अक्टूबर को तय होगा नया पीएम

तोक्यो। जापान सरकार ने मंगलवार को नवंबर में होने वाले आम चुनाव से पहले नए प्रधानमंत्री का निर्धारण करने के लिए 4 अक्टूबर को असाधारण संसद सत्र बुलाने के अपने फैसले की घोषणा की। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 29 सितंबर को होने वाले सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व के चुनाव से निवर्तमान प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा के अगले प्रमुख को प्रभावी ढंग से तय करने की उम्मीद है, जो इस महीने के अंत में इस्तीफा देने वाले हैं, क्योंकि एलडीपी शक्तिशाली निचले को नियंत्रित करता है। चार उम्मीदवारों, पूर्व विदेश मंत्री फुमियो किशिदा, पूर्व संचार मंत्री सानाए ताकाची, टीकाकरण मंत्री तारो कोनो और एलडीपी के कार्यकारी कार्यवाहक महासचिव सीको नोडा ने एलडीपी दौड़ के लिए अपनी बोलियों की घोषणा की है। नए प्रधानमंत्री द्वारा उसी दिन एक नया मंत्रिमंडल शुरू करने और बाद में उप मंत्रियों और अन्य कर्मियों पर निर्णय लेने की उम्मीद है। सभी चार उम्मीदवारों ने कहा है कि वे एक नीति भाषण देंगे और निर्वाचित होने पर विपक्षी दलों के साथ सवाल-जवाब का सत्र आयोजित करेंगे। इस मामले में, आम चुनाव के लिए दो सबसे संभावित समय सारिणी 26 अक्टूबर को 7 नवंबर को मतदान के लिए प्रचार शुरू करना है या 2 नवंबर को 14 नवंबर को मतदान के लिए प्रचार करना है। चार उम्मीदवारों के उद्योग समूहों और स्थानीय संगठनों पर विचारों का आदान-प्रदान जारी रखने का अनुमान है। गुरुवार से, उन्हें चार दिनों तक चलने वाले ऑनलाइन नीति बहस सत्रों में जनता के सवालों के जवाब देने की योजना है। प्रतिनिधि सभा का अगला चुनाव 21 अक्टूबर के बाद के महीनों में होने की उम्मीद है जब मौजूदा निचले सदन के सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

अफगानिस्तान के 19 अवैध अप्रवासी इस्तांबुल में हिरासत में लिए गए

इस्तांबुल। तुर्की के सुरक्षा बलों ने देश के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में 19 अवैध अफगान प्रवासियों को हिरासत में लिया है। डेमिरोरेन समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस्तांबुल नगरपालिका पुलिस इकाइयों ने सोमवार को शहर के यूरोपीय हिस्से में सुल्तानगाजी जिले में संदेह के आधार पर एक वैन को रोका। समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि टीमों ने अप्रवासियों को वाहन के अंदर पाया और पुलिस बलों को सूचित किया। इन अप्रवासियों ने कथित तौर पर इस्तांबुल से लगभग 240 किमी दूर उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती प्रांत एडिरने में जाने की कोशिश की, ताकि वे ग्रीस में जा सकें। तुर्की, यूरोप जाने के रास्ते में शरण चाहने वालों के लिए एक प्रमुख पारगमन बिंदु, तालिबान द्वारा पिछले महीने के अधिग्रहण के बाद देश से भागने वाले अफगान शरणार्थियों की आमद देखी जा रही है। देश 40 लाख से लाख शरणार्थियों की मेजबानी करता है, जिसमें इसकी सीमाओं के भीतर, ज्यादातर इस्तांबुल में 36 लाख सीरियाई शामिल हैं।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल में किया फेरबदल

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बटरे फर्नांडीज ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया और गवर्नमेंट हाउस में द्विशताब्दी संग्रहालय में एक समारोह के दौरान नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मंगलवार को बताया कि फर्नांडीज ने निवर्तमान मंत्रियों को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के नवीनीकरण का उद्देश्य अर्जेंटीना के मतदाताओं के एक हिस्से को जवाब देना है जो स्पष्ट रूप से कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुए हैं और ठीक नहीं हुए हैं। उत्तर पश्चिमी तुकुमान प्रांत के गवर्नर जुआन मंजूर को कैबिनेट प्रमुख नियुक्त किया गया, जिसमें सैंटियागो कैफिएरो ने विदेश मामलों और वरसिप मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए उस पद को छोड़ दिया था। इसके अलावा, राष्ट्रपति ने एनीबाल फर्नांडीज को सुरक्षा मंत्री, जूलियन डोमिंगुएज को कृषि, पशुधन और मत्स्य पालन मंत्री और जैम पेर्जकि को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया। डैनियल फिल्मस ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप में पदभार संभाला, जबकि जुआन रॉस को संचार और प्रेस के नए सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। कैबिनेट में फेरबदल 12 सितंबर के प्राथमिक चुनावों के मद्देनजर हुआ, जिसमें देश के 24 प्रांतों में से 17 में सत्ताधारी गठबंधन एवरीबडी फ्रंट (फ्रेंट डी टोडोस) हार गया था।

ऑस्ट्रेलिया राजधानी में अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य समर्थन बढ़ाएगा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र (एसीटी) के मुख्यमंत्री एंड्रयू बर्र ने मंगलवार को क्षेत्र में चल रहे कोविड-19 लॉकडाउन के बीच मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समर्थन बढ़ाने की घोषणा की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बर्र ने कहा कि एसीटी सरकार राजधानी कैनबरा के क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य, शराब और नशीली दवाओं की सेवाओं का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त 1.4 करोड़ डॉलर (1 करोड़ डॉलर) का निवेश करेगी। उन्होंने कैनबरा के कोरोनावायरस लॉकडाउन का वर्णन किया, जो 12 अगस्त से शुरू हुआ और अब 15 अक्टूबर को समाप्त होने वाला है। बर्र ने संवाददाताओं से कहा, फिलहाल ठीक नहीं होना ठीक है और समर्थन उपलब्ध है। एसीटी सरकार से मिलने वाली फंडिंग के शीर्ष पर, संघीय सरकार ने कैनबरा मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक हेड टू हेल्थ को समर्थन देने के लिए 25 लाख डॉलर का वचन दिया। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने एक बयान में कहा, कई ऑस्ट्रेलियाई, विशेष रूप से हमारे युवा, इसे वास्तव में कठिन बना रहे हैं। हंट ने कहा, मौजूदा प्रकोप और लॉकडाउन अत्यधिक दबाव और संकट पैदा कर रहे हैं और यह महत्वपूर्ण है कि हम इस चुनौतीपूर्ण समय में लोगों की मानसिक और भावनात्मक भलाई का समर्थन करना जारी रखें। यह तब आया है जब अधिनियम ने मंगलवार को 16 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित कोविड -19 मामलों की सूचना दी, जो सोमवार को सात मामले थे। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह देशभर में 1,641 नए पुष्ट मामले दर्ज किए, जिससे कुल संक्रमण की संख्या 87,101 हो गई, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,167 हो गई है।

आम चुनाव में राष्ट्रपति पुतिन का जलवा कायम, संसदीय चुनाव में हासिल की जीत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

रूस में हुए संसदीय चुनाव में इस बार भी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने बाजी मारी है। चुनावी नतीजों के परिणाम में पुतिन की यूनाइटेड रशिया पार्टी ने जोरदार बहुमत हासिल कर आलोचकों का मुंह बंद करा दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, सत्ताधारी पार्टी के 20 फीसदी प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं चुनाव आयोग ने बताया कि, 33 फीसदी वोटों की गिनती में पुतिन की पार्टी यूनाइटेड रशिया ने 45त्न वोट हासिल किया है। पुतिन के विपक्षी कम्युनिस्ट पार्टी ने 22 फीसदी ही वोट हासिल किए। बात करें साल 2016 के संसदीय चुनाव की तो उसकी तुलना में पुतिन की पार्टी का प्रदर्शन इस साल के चुनाव में काफी कमजोर रहा। साल 2016 के चुनाव में पार्टी ने 54 फीसदी वोट हासिल किया था। बता दें कि पुतिन की पार्टी ने आरोप लगाते हुए यह भी कहा है कि, विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी ने लगातार पुतिन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है और समर्थकों ने कई अभियान भी चलाए जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। वहीं विपक्षी नेता नवलनी के समर्थकों ने आरोप लगाते हुए साफ कहा कि, यह चुनाव एकमात्र दिखावा है और अगर चुनाव निष्पक्ष होते तो यूनाइटेड रशिया पार्टी हार जाती।

विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन पर काम विकसित देशों की मदद पर निर्भर: भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र द्वारा बुलाई गई एक बैठक में दोहराया कि विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन पर काम करने की महत्वाकांक्षी योजना पेरिस समझौते के तहत विकसित देशों की मदद पर निर्भर है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ एक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने विकसित देशों से 2009 में किए गए प्रति वर्ष 100 अरब अमेरिकी डॉलर के अपने वादे को पूरा करने का आह्वान किया।

न्होंने कहा कि 'कॉप 26' को कम लागत पर हरित प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण तथा दायरा, पैमाना एवं गति में जलवायु वित्त पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगामी 'सीओपी26' सहित जलवायु परिवर्तन संबंधित किसी भी बातचीत में सफल परिणाम के लिए जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रुपरेखा (यूएनएफसीसी) प्रक्रिया के सिद्धांतों को कायम रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि बैठक में, जलवायु संकट से मुकाबला करने के लिए आवश्यक वित्त, अनुकूलन आदि पर महत्वपूर्ण जलवायु कार्रवाई पर चर्चा की गयी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने नवंबर में ग्लासगो में होने वाले 26वें 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' (सीओपी26) से पहले कुछ नेताओं की बैठक बुलाई थी।

पर्यावरण मंत्री यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, 2030 तक 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा सहित भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की चर्चा की।

अमेरिका पूरी तरह से टीका लगाए गए विदेशी आगंतुकों के लिए यात्रा प्रतिबंधों में ढील देगा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

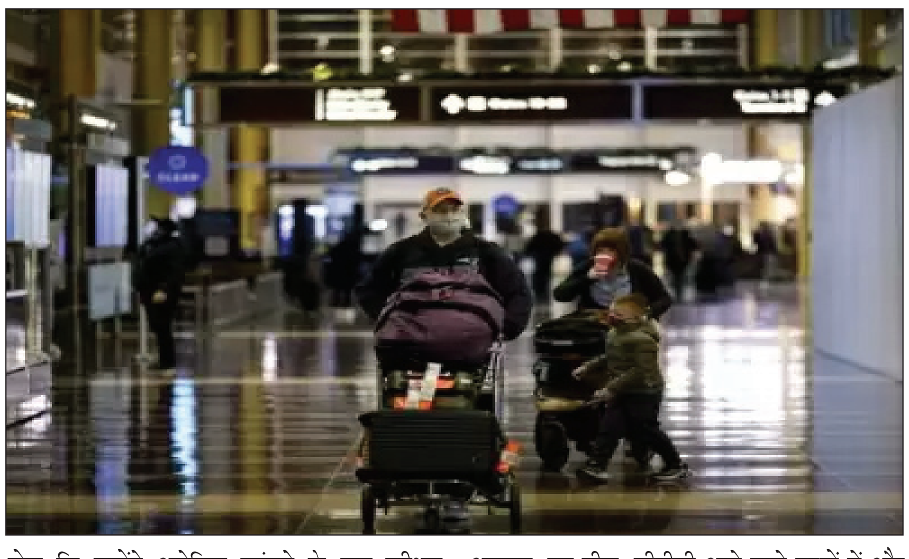

अमेरिका अब कोविड-19 के खिलाफ पूरी तरह से टीका लगाए हुए विदेशी आगंतुकों को देश में प्रवेश करने से प्रतिबंधित नहीं करेगा। व्हाइट हाउस ने नीतिगत बदलावों की घोषणा करते हुए कहा कि वायरस के संचरण को रोकने के लिए लगाए गए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी।

व्हाइट हाउस में कोविड -19 प्रतिक्रिया समन्वयक ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, जो लोग अमेरिकी नागरिक नहीं हैं और जो देश की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें इस बात का प्रमाण देना होगा कि वे पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके हैं और प्रस्थान के तीन दिनों के भीतर एक निगेटिव रिपोर्ट देनी होगी, क्योंकि वे यूएस-बाउंड फ्लाइट, जेफ जिएंट्स में सवार हैं। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के मुताबिक जिएंट्स के अनुसार, अमेरिका में प्रवेश करने वाले पूरी तरह से टीकाकरण वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को अब 14 दिनों के लिए क्वारंटीन करने की आवश्यकता नहीं होगी, जिन्होंने यह भी कहा कि नए नियम नवंबर की शुरूआत में प्रभावी होंगे ताकि सरकारी एजेंसियों और एयरलाइनरों को तैयारी करने का समय दिया जा सके। अमेरिका लौटने वाले असंबद्ध अमेरिकियों के लिए, समन्वयक ने कहा कि वे कठोर परीक्षण आवश्यकताओं के अधीन होंगे, जिसमें प्रस्थान के एक दिन के भीतर एक परीक्षण और इस बात का प्रमाण देना होगा कि उन्होंने अमेरिका पहुंचने के बाद परीक्षण कराया है।

जिएंट्स ने कहा कि विशिष्ट टीके जो एक यात्री को पूरी तरह से टीकाकरण के रूप में अर्हता प्राप्त करते हैं, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार परिचित लोगों का हवाला देते हुए टीकाकरण आवश्यकताओं के अपवादों में ऐसे बच्चे शामिल हैं जो अभी तक शॉट्स के लिए पात्र नहीं हैं। जीएंट्स के अनुसार, इस बीच, सीडीसी आने वाले हफ्तों में और ज्यादा कड़े संपर्क अनुरेखण आवश्यकताओं को पूरा करेगा, जिसमें यूएस-बाउंड अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के फोन नंबर और ईमेल पते की जानकारी शामिल है। जीएंट्स ने यह भी कहा कि कनाडा और मैक्सिको के साथ भूमि सीमा क्रॉसिंग को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियम अपरिवर्तित रहे। यह विदेशों में उन लोगों को भी देगा जो अमेरिका में परिवार से अलग हो गए हैं और अपने प्रियजनों के साथ फिर से जुड़ने का मौका देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन 24 सितंबर को वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे

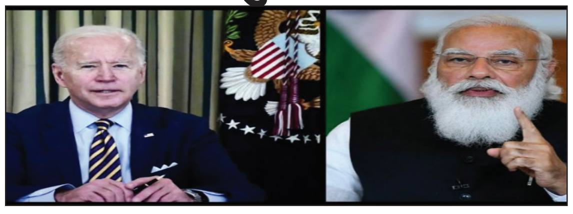

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 24 सितंबर को वाशिंगटन में वार्ता करेंगे और उसमें व्यापार, निवेश और रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्रों में संबंधों को प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा होने की उम्मीद है। विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्रृंगला ने बताया कि मोदी बुधवार को अमेरिका रवाना होंगे और रविवार को लौटेंगे। प्रधानमंत्री के साथ शिष्टमंडल में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और विदेश सचिव श्रृंगला भी शामिल रहेंगे।

श्रृंगला ने प्रेस वार्ता में कहा कि मोदी और बाइडन के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में कट्टरपंथ और आतंकवाद के अलावा अन्य बड़े क्षेत्रीय मुद्दों से निपटने के तरीकों पर चर्चा होने की उम्मीद है। बैठक के दौरान अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर भी चर्चा होनेकी संभावना है। अमेरिकी नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने के अलावा प्रधानमंत्री वाशिंगटन में 24 सितंबर को 'क्वाड' सम्मेलन में भी भागीदारी करेंगे, जिसमें समकालिन वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक रूप से चर्चा की जाएगी। वाशिंगटन में अपनी बैठकों के बाद मोदी 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में शरीक होने के लिए न्यूयार्क की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री के न्यूयार्क में 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है।

तालिबान ने कार्यवाहक सरकार में अन्य मंत्रियों को किया शामिल

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में नवगठित तालिबान की कार्यवाहक सरकार ने शेष मंत्रियों और सदस्यों को नामित किया है। कार्यवाहक सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मुजाहिद ने एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट के नए सदस्य पेशेवर व्यक्तित्व हैं, जिनमें डॉक्टर और उच्च शिक्षित व्यक्ति भी शामिल हैं। मुजाहिद ने कहा कि नए मंत्रिमंडल के सदस्यों को तालिबान के सर्वोच्च नेता मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा के आदेश के अनुरूप नियुक्त किया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि एक अनुभवी व्यवसायी, हाजी नुरुदीन अजीजी को वाणिज्य के लिए कार्यवाहक मंत्री और कलंदर एबाद को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए कार्यवाहक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। मुजाहिद ने यह भी उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस्लामिक अमीरात को मान्यता देगा।

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्लामिक स्टेट, अल कायदा या अफगानिस्तान में किसी भी अन्य आतंकवादी समूहों की उपस्थिति को खारिज करते हुए कहा कि इस्लामिक अमीरात किसी भी चरमपंथी संगठन को नष्ट करने में सक्षम है और वह किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान की किसी भी धरती का इस्तेमाल नहीं होने देंगे। टोलो न्यूज ने बताया कि प्रवक्ता ने यह भी घोषणा की कि नई सरकार का उद्घाटन समारोह इस समय लोगों को सेवा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के कारण रद्द कर दिया गया है। देश की आर्थिक स्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि घरेलू राजस्व बुनियादी जरूरतों के लिए पर्याप्त हो सकता है। हम सभी राजनयिक माध्यमों का उपयोग अफगान संपत्तियों को मुक्त करने के लिए कर रहे हैं।

महिला मामलों के मंत्रालय और लड़कियों की शिक्षा के बारे में पूछे जाने पर मुजाहिद ने कहा कि कार्यवाहक कैबिनेट काम और शिक्षा के लिए महिलाओं की मांगों को पूरा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि लड़कियां अपनी शिक्षा फिर से शुरू कर सकें।

ईरान के टॉप वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की दिनदहाड़े हत्या, इजरायल को ठहराया गया जिम्मेदार

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

ईरान के टॉप वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की देश की राजधानी तेहरान में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई है। बता दें कि इस हत्या के लिए इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। परमाणु बम कार्यक्रम के जनक के नाम से जाने वाले मोहसिन फखरीजादेह की कार पर गोलियों की बौछार कर उनकी हत्या कर दी गई। मोहसिन फखरीजादेह की हत्या के बाद से पूरे पश्चिम एशिया में कोहराम मच गया है। ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर लिखा गया कि, आतंकियों ने एक शीर्ष ईरानी वैज्ञानिक की हत्या कर दी है। ऐसी हरकत साजिश को अंजाम देता है, जिसमें इजरायल की भूमिका के गंभीर संकेत दर्शाते हैं।

बता दें कि, ईरान के इस बयान पर इजरायल ने कोई भी प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, वैज्ञानिक की हत्या एक ऐसे समय पर हुई है जब ट्रंप प्रशासन ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले की योजना बना रहे थे। लेकिन अब जब अमेरिका में बाइडेन की सत्ता आ गई है तो अब जो बाइडेन एक बार फिर ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर बहुपक्षिय समझौते करने को इच्छुक है। इसके अलावा, यह हत्या ऐसे समय पर हुई है जब इजरायल के पीएम, अमेरिका के विदेश मंत्री और सऊदी अरब के राजकुमार ने एक गोपनीय बैठक की थी।ईरान के टॉप वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या अब्सार्ड शहर में की गई है। हत्या के समय वहां के लोगों ने जोरदार धमाके और गोलियां चलने की आवाजें सुनी। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो पर वायरल हो रहा है जिसमें मोहसिन फखरीजादेह की कार को गोलियों से छलनी किया जा रहा है। हमलावरों ने कार को जबरदस्ती रोका और गोलियां चलाना शुरू कर दी , इसमें 3 से 4 लोगों की मौत हो गई।

फिर से एक बार कनाडा में ट्रूडो सरकार! लिबरल की वापसी के चांस लेकिन बहुमत से दूर, फिर से सिख नेता दिलाएंगे सत्ता?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कनाडा के मध्यावधि चुनाव के नतीजे आ गए और तमाम तरह की अटकलों पर भी विराम लग गया। जनता ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को जीत दिलाई है। ट्रूडो के दो साल पहले ही चुनाव कराने के फैसले पर उठते सवालों को चुनावी नतीजों के जरिये जवाब भी मिल गया है। एक बात जरूर है कि लिबरल पार्टी ने किसी भी पार्टी की तुलना में सबसे अधिक सीटें हासिल की हैं। लेकिन वह पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रहे हैं। लिबरल पार्टी 148 सीट पर आगे है जबकि कंजरवेटिव पार्टी 103 सीटों पर आगे है, ब्लॉक क्यूबेकोइस 28 और वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी 22 सीटों पर आगे है। फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं होता कि ट्रूडो पर्याप्त सीटें जीत पाएंगे और अन्य पार्टियों के सहयोग के बिना किसी कानून को पारित करा पाएंगे। लेकिन वह इतनी सीटें जरूर जीत जाएंगे उन्हें पद से हटाने का खतरा नहीं रहेगा।

170 के आंकड़े से अभी दूर

कनाडा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए किसी भी पार्टी को 38 फीसदी वोट्स की जरूरत होती है। ताकि संसद में बहुमत हासिल किया जा सके। कनाडा की संसद यानी हाउस ऑफ कॉमन्स में कुल 338 सीटें हैं और एक पार्टी को बहुमत की सरकार बनाने के लिए 170 सीटों की जरूरत होती है। इससे पहले जब साल 2019 में चुनाव हुए थे, तब भी ट्रूडो की पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। जिसके चलते कानून पारित करने के लिए अन्य दलों के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ता था।

सिख नेता दिलाएंगे सत्ता

ट्रूडो ने 2015 के चुनाव में अपने दिवंगत पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री पियरे ट्रूडो की लोकप्रियता का सहारा लिया और चुनाव में जीत हासिल की थी। फिर पार्टी का नेतृत्व करते हुए पिछले दो बार के चुनाव में उन्होंने अपने दम पर पार्टी को जीत दिलायी। फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं होता कि ट्रूडो पर्याप्त सीटें जीत पाएंगे। 2019 के चुनाव में लिबरल पार्टी बहुमत पाने में सफल नहीं हो पाई थी। उस वक्त जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें समर्थन देकर सरकार में बनाने का मौका दिया था।

सार समाचार

पश्चिम बंगाल में दिलीप घोष की जगह सुकांता मजूमदार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बालुरघाट सीट से लोकसभा सदस्य सुकांता मजूमदार को पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई का नया अध्यक्ष बनाया है। पार्टी में अंदरुनी मतभेद और नेताओं के पाल बदलकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर जाने की पृष्ठभूमि में पार्टी ने दिलीप घोष की जगह मजूमदार को दी है। पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, घोष को भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में घोष का कार्यकाल समाप्त होने में अभी 15 महीने (सवा साल) का वक्त था।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष के रूप में मजूमदार के नाम को लेकर पिछले कुछ महीनों से चर्चा चल रही थी, खास तौर से मार्च-अप्रैल के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली बुरी हार के बाद चर्चा जोरों पर थी। बॉटनी से पीएचडी 41 वर्षीय मजूमदार के घोष के साथ करीबी संबंध हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मैं यह अवसर देने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। पार्टी पिछले कुछ साल में और मजबूत हुई है। मैं इसकी नींव और मजबूत बनाने पर काम करुंगा।''

महाराष्ट्र: गैर-भाजपा ग्रुप 27 सितंबर को भारत बंद के लिए तैयार

मुंबई। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों, किसान संगठनों, ट्रेड यूनियनों, शिक्षकों, महिलाओं, युवाओं, मजदूरों और अन्य लोगों के लगभग 100 संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) समूह द्वारा बुलाए गए 27 सितंबर के भारत बंद में शामिल होंगे। यह निर्णय एटक राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. भालचंद्र कांगो की अध्यक्षता में सभी समूहों की राज्य स्तरीय बैठक में लिया गया। अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक धवले ने कहा कि सोमवार को यहां लगभग 100 संगठनों के 200 से अधिक नेताओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि वक्ताओं ने किसानों के चल रहे संघर्ष, श्रमिकों के मुद्दों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा-आरएसएस शासन की दिवालिया नीतियों के खिलाफ भारत बंद के महत्व पर बातचीत की। बैठक में राज्य और अन्य जगहों के सभी संगठनों से समर्थकों को जुटाने और महाराष्ट्र में भारत बंद को सफल बनाने के लिए सभी से प्रयास करने का आह्वान किया गया। एक प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री जयंत पाटिल, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राकांपा के वरिष्ठ मंत्री डॉ. जितेंद्र आव्हाड़ से मुलाकात की, जिन्होंने अगले सोमवार की राष्ट्रव्यापी कार्रवाई के लिए महा विकास अघाड़ी दलों के समर्थन का आश्वासन दिया।

कर्नाटक मंदिर विध्वंस: विधानसभा में बीजेपी को विरोध का सामना करना पड़ेगा!

बेंगलुरू। कर्नाटक में सत्तारूढ भाजपा ने विधानसभा में कर्नाटक धार्मिक संरचना (संरक्षण) विधेयक 2021 पेश किया, लेकिन मंगलवार को होने वाले सत्र में मंदिर विध्वंस का मुद्दा हावी रहने की उम्मीद है। मंदिरों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस भाजपा पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है।कांग्रेस बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर हमला करती रही है और सिद्धारमैया ने कहा कि यह आपराधिक लूट है। आपराधिक लूट वाक्यांश दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा उस समय की मुद्रास्फीति को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के खिलाफ मुद्रास्फीति पर गढ़ा गया था। बैलगाड़ी और साइकिल यात्रा के साथ सत्र की ऊर्जावान शुरूआत से उत्साहित विपक्ष हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करने के लिए तैयार हो रहा है। सिद्धारमैया, जिन्होंने नंजनगुड के पास एक मंदिर के विध्वंस का मुद्दा उठाया है, पहले ही सत्तारूढ़ भाजपा को शर्मिंदा कर चुके हैं। विपक्ष यह संदेश देने की भी कोशिश कर रहा है कि बीजेपी ने मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे को लापरवाही से लिया है। मंदिर विध्वंस के मुद्दे पर हर तरफ से गंभीर दबाव में आकर, सत्तारूढ़ भाजपा, जो हिंदुत्ववादी ताकतों के निशाने पर आ गई है, रक्षात्मक मोड पर है और इसलिए एक नया कानून बनाने की कोशिश कर रही है। सोमवार को विधानसभा में पेश किए गए नए विधेयक का उद्देश्य राज्य में बने अनधिकृत पूजा स्थलों की रक्षा करना और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में विध्वंस के खतरे का सामना करना है।

झारखंड के 6 आदिवासी छात्रों को ब्रिटेन में पढ़ने के लिए राज्य छात्रवृत्ति मिली

रांची। झारखंड के छह छात्रों को राज्य के छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत विदेश में मुफ्त उच्च शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्याण मंत्री चंपई सोरेन गुरुवार को रांची में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा छात्रवृत्ति योजना के लाभार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित करेंगे। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के छात्रों के लिए यूके और आयरलैंड में उच्च अध्ययन करने के लिए शुरू की गई है। छात्रवृत्ति के पुरस्कार विजेता रहने और अन्य विविध खर्चों के साथ-साथ ट्यूशन फीस के पूर्ण कवरेज के हकदार हैं। हर साल अनुसूचित जनजाति से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा। छात्रवृत्ति के पहले समूह के लिए 6 छात्रों को चुना गया है, जो सितंबर में ब्रिटेन के 5 विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपना अध्ययन कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। चयनित छात्रों में हरक्यूलिस सिंह मुंडा यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज से एमए करने जा रहे हैं। अजितेश मुर्मू यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन से आर्किटेक्चर में एमए करने जा रहे हैं। आकांक्षा मेरी को लॉफबोरो विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रबंधन में एमएससी कार्यक्रम के लिए चुना गया है, जबकि दिनेश भगत ससेक्स विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन, विकास और नीति में एमएससी करेंगे। अंजना प्रतिमा डुंगडुंग को वारविक विश्वविद्यालय में एमएससी के लिए चुना गया है और प्रिया मुर्मू लॉफबोरो विश्वविद्यालय में क्रिएटिव राइटिंग और राइटिंग इंडस्ट्रीज में एमए करेंगी।

मोदी सरकार के पास जम्मू-कश्मीर को लेकर कोई विजन नहीं, महबूबा बोलीं- सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जम्मू-कश्मीर को तोड़ने का काम कर रही है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के पास जम्मू-कश्मीर के लिए दूरदृष्टि थी लेकिन यह सरकार हिंदू और मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करती है।

सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मोदी सरकार के पास जम्मू-कश्मीर को लेकर विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग जम्मू-कश्मीर को प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और यहां प्रयोग कर रहे हैं। नेहरू, वाजपेयी जैसे नेताओं के पास जम्मू-कश्मीर के लिए दूरदृष्टि थी लेकिन यह सरकार हिंदू और मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करती है। सरदार अब खालिस्तानी हैं, हम पाकिस्तानी हैं, सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है।

बेरोजगारी के बारे में नहीं कर रहे बात

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि परिसीमन की कवायद बेतरतीब ढंग से की जा रही है। वे सिर्फ नाम बदल रहे हैं लेकिन नाम बदलने से बच्चों को रोजगार नहीं मिलेगा। वे (केंद्र) तालिबान, अफगानिस्तान के बारे में बात करते हैं लेकिन किसानों और बेरोजगारी के बारे में नहीं।

पीडीपी लड़ेगी आगामी चुनाव

वहीं महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा था कि उनकी पार्टी आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने पूर्व सहयोगी भाजपा से किसी भी तरह का गठबंधन करने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा था कि पीडीपी (विधानसभा) चुनाव लड़ेगी। जहां तक गठबंधन का सवाल है तो अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी लेकिन एक बात निश्चित तौर पर स्पष्ट है कि हम उस पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन नहीं करेंगे।

प्रियंका की रैली : यूपी कांग्रेस के दिग्गजों को टाइमिंग पर आपत्ति

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 29 सितंबर से मेरठ में आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपना चुनावी अभियान शुरू करने वाली हैं, ऐसे में पार्टी का एक बड़ा वर्ग रैली के समय पर आपत्ति जता रहा है। कांग्रेस के एक वयोवृद्ध नेता ने कहा, यह पितृ पक्ष अवधि है, जिसे सभी हिंदुओं द्वारा अशुभ माना जाता है, और इस समय चुनाव अभियान शुरू करना निश्चित रूप से एक अच्छा विचार नहीं है। पितृ पक्ष की अवधि 20 सितंबर से शुरू हुई और 6 अक्टूबर को समाप्त होगी। अधिकांश राजनीतिक दल पितृ पक्ष अवधि के दौरान नए अभियान शुरू करने से बच रहे हैं, हालांकि वे पहले के कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका की लिए निर्धारित रैलियां मेरठ (29 सितंबर) से शुरू होंगी, फिर वाराणसी (2 अक्टूबर), आगरा (7 अक्टूबर), गोरखपुर (12 अक्टूबर), आजमगढ़ (17 अक्टूबर) और प्रयागराज (18 अक्टूबर) तक होंगी। कांग्रेस के एक ब्राहम्ण नेता ने कहा, सभी हिंदुओं का दृढ़ विश्वास है कि इस अवधि के दौरान कोई नई पहल शुरू नहीं की जानी चाहिए। वास्तव में, लोग इस पखवाड़े में नए कपड़े भी नहीं खरीदते हैं। मुझे नहीं पता कि कौन प्रियंका को सलाह दे रहा है या उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन बेहतर होगा कि पितृ पक्ष के बाद रैलियां शुरू हों। कुछ दिनों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

किसान नेता राकेश टिकैत की नई मांग, योगी आदित्यनाथ को बनाया जाए प्रधानमंत्री

लखनऊ। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को सलाह दी कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ''प्रमोशन'' कर उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया जाए।

साथ ही उन्होंने यह दावा किया कि भाजपा को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 140 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। मंगलवार को यहां समाचार न्यूज-24 चैनल के मंथन-2021 कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए टिकैत ने जहां भाजपा भाजपा को चुनाव में 140 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने का दावा किया, वहीं यह भी कहा, ''भाजपा का हारा हुआ उम्मीदवार भी जीत का प्रमाण पत्र लेकर जाएगा क्योंकि मुझे ईवीएम पर भरोसा नहीं है।''

किसान नेता नहीं लड़ेंगे चुनाव

तीन नये कृषि कानूनों को लेकर किसानों के आंदोलन के एक प्रमुख नेता टिकैत ने इस बात को जोर देकर कहा कि हम कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। टिकैत ने पूर्व में भूमि अधिग्रहण कानून के विरूद्ध मुहिम चलाने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सराहना भी की।

एक प्रश्न के उत्तर में किसान नेता ने दावा किया कि कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीच में ही अपने पद से हट जाएंगे और वह राष्ट्रपति बनेंगे। उन्होंने यह भी कहा, '' योगी (आदित्यनाथ) जी का प्रमोशन (पदोन्नति) होना चाहिए, वह पीएम (प्रधानमंत्री) बन जाएं।

वोटों का बिखराव कर रहे ओवैसी !

उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 403 सीटों में से भाजपा को 312 और उसे सहयोगी दलों को कुल 13 सीटें मिली थीं। टिकैत ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर विपक्ष के वोटों में बिखराव का आरोप लगाते हुए कहा कि ओवैसी ''पैकेज'' पर हैं और उत्तर प्रदेश में ''विपक्ष के वोटों में बिखराव करने आए हैं।'' गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कॉलेज में छह सितंबर को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान महापंचायत में टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत?तर प्रदेश के मुख?यमंत्री आदित?यनाथ को दंगा कराने वाला और बाहरी नेता बताया और किसानों का आह्वान किया था कि इस सरकार (भाजपा) को ''वोट की चोट दो।

आप असली है, भाजपा नीतियों की नकल कर रही है: गोवा में बोले केजरीवाल

पणजी (एजेंसी)।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी सरकार के योजनाओं की नकल करने का आरोप लगाते हुए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों को भाजपा के बजाय ओरिजनल आप को चुनना चाहिए, जो केवल अपनी नीतियों की नकल करती है।

केजरीवाल ने उत्तरी गोवा के मापुसा शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि गोवा में पानी मुफ्त मिलेगा। मैं बहुत खुश था। हमने इसे चार साल पहले दिल्ली में किया था। मैंने सुना है कि उन्होंने सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी शुरू कर दी है। हमने इसे तीन साल पहले दिल्ली में शुरू किया था। केजरीवाल ने कहा, मेरा मानना है कि दिल्ली में जो कुछ भी हो रहा है, वह (सावंत) गोवा में उनकी नकल कर रहे हैं। जब असली मौजूद है, तो आपको डुप्लिकेट की आवश्यकता क्यों है? जब गोवा के लोग ओरिजनल के लिए वोट कर सकते हैं, तो आपको डुप्लिकेट की आवश्यकता क्यों है। डुप्लीकेट व्यक्ति गड़बड़ (भ्रम) करेगा। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के बीच पिछले कुछ महीनों में राज्य विधानसभा चुनावों से पहले जुबानी जंग और चुनाव से पहले घोषणाओं में लगे हुए हैं। आप द्वारा राज्य में घरेलू घरों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने हर घर में 16,000 लीटर मुफ्त पानी देने की घोषणा की है।आप ने मंगलवार को डोमिसाइल वाले गोवावासियों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा किया और बेरोजगार युवाओं और परिवारों को 3,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की राशि आवंटित करने का भी वादा किया है।

सरकार सुनिश्चित करे कि ब्रिटेन जाने वाले भारतीय नागरिकों को कोई असुविधा नहीं हो: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने ब्रिटेन में कोविड संबंधी यात्रा नियमों को लेकर मंगलवार को कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ब्रिटेन जाने वाले भारतीय नागरिकों को कोई असुविधा नहीं हो। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, '' भारत के किसी भी नागरिक को ब्रिटेन में जाने पर कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने खुद को हमेशा इस तरह से पेश किया कि उन्होंने विदेश नीति में क्रांतिकारी काम कर दिया है, लेकिन यह क्या क्रांति है, जिससे किसी भारतीय नागरिक को फायदा नहीं मिलता।''

उन्होंने आग्रह किया, ''सरकार यह सुनिश्चित करे कि ब्रिटेन जाने पर किसी भी भारतीय नागरिक को असुविधा नहीं होनी चाहिए।'' उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन की नवनियुक्त विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रुस के साथ अपनी बैठक के दौरान कोविड-19 संबंधी पृथक-वास के मामले के ''शीघ्र समाधान'' का आग्रह किया दरअसल, ब्रिटेन की यात्रा के संबंध में फिलहाल लाल, एम्बर और हरे रंग की तीन अलग-अलग सूचियां बनाई गई हैं। खतरे के अनुसार अलग-अलग देशों को अलग-अलग सूची में रखा गया है। चार अक्टूबर से सभी सूचियों को मिला दिया जाएगा और केवल लाल सूची बाकी रहेगी। लाल सूची में शामिल देशों के यात्रियों को ब्रिटेन की यात्रा पर पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। भारत अब भी एम्बर सूची में है। ऐसे में एम्बर सूची को खत्म करने का मतलब है कि केवल कुछेक यात्रियों को ही पीसीआर जांच से छूट मिलेगी। जिन देशोंके कोविड-19 टीकों को ब्रिटेन में मंजूरी होगी, उसमें भारत शामिल नहीं है। इसका मतलब यह है कि जो भारतीय सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया का कोविशील्ड टीका लगवा चुके होंगे, उन्हें अनिवार्य रूप से पीसीआर जांच करानी होगी तथा तय पतों पर पृथक-वास में रहना होगा।

पहले हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता नहीं लगता था कि राशन कहां गया: योगी आदित्यनाथ

जौनपुर/गाजीपुर (उप्र)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब्बाजान कहने वालों पर राशन हड़पने का आरोप लगाने के बाद सोमवार को कहा कि क्या सपा सरकार में राशन मिलता था, सपा सरकार से पहले बहन जी (मायावती) की सरकार में तो हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता ही नहीं लगता था कि जनता का राशन कहां जा रहा है। जौनपुर में मुख?यमंत्री ने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मुंगराबादशाहपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्या सपा सरकार में आपको राशन मिलता था, सपा सरकार से पहले बहन जी (मायावती) की सरकार में तो हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता ही नहीं लगता था कि जनता का राशन कहां जा रहा है।

गौरतलब है कि गत 12 सितंबर को कुशीनगर की एक जनसभा में योगी ने कहा था, अब्बा जान कहने वाले गरीबों की नौकरी पर डकैती डाल देते थे। पूरा परिवार झोला लेकर वसूली के लिए निकल पड़ता था, अब्बाजान कहने वाले राशन हजम कर जाते थे और राशन नेपाल व बांग्लादेश पहुंच जाता था लेकिन आज जो गरीबों का राशन निगलेगा वह जेल चला जाएगा। योगी के इस बयान के बाद विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। भाजपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के अनुसार जौनपुर की सभा में योगी ने कहा, पहले न दुर्गा पूजा होती थी, न रामलीला का आयोजन होने दिया जाता था, न यज्ञ होने दिया जाता था और ऐसा लगता था कि मारीचतथा सुबाहु (मारीच का भाई)इन्हीं (विपक्षी दलों) के यहां पैदा हो गए हैं। उन्होंने कहा, पहले कोरोना नहीं था तो भी सरकारें यज्ञ और दुर्गा पूजा नहीं होने देती थीं, लेकिन इस बार दुर्गा पूजा की अनुमति दी जाएगी। योगी ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य क्या सपा करती, क्या बसपा करती, क्या आप कांग्रेस से उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, पहले मुख?यमंत्री होते ही मैं और मेरा खानदान, उससे बाहर कोई नहीं निकलता था, जब प्रदेश के लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में होते थे, तब सैफई का परिवार सैफई में बड़ी-बड़ी हस्तियों को बुलाकर नाच-गाने का कार्यक्रम करता था, तब प्रदेश की जनता दिखाई नहीं देती थी। योगी ने कहा, देश महत्वपूर्ण होता है और उसकी सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है, ध्यान रखिए कांग्रेस के लोग भी आपके पास आएंगे और बड़ी-बड़ी घोषणाएं करेंगे, लेकिन याद रखिए चीन जब देश के अंदर घुसपैठ करता था तो यही लोग कहते थे कि चुप हो जाओ, चीन के खिलाफ कुछ बोलना मत।

कुंडली का बहाना देकर शादी के वादे से मुकरने वालों की खैर नहीं! अदालत ने जारी किया फरमान

मुंबई। (एजेंसी)।

बंबई उच्च न्यायालय ने 32 वर्षीय एक व्यक्ति को बलात्कार और धोखाधड़ी के मामले आरोप मुक्त करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसने शिकायतकर्ता महिला, जिसके साथ उसका संबंध था, से शादी करने के अपने वादे से मुकरने के लिए कुंडली की ज्योतिषीय असंगति का इस्तेमाल बहाने के तौर पर किया था। न्यायमूर्ति एस के शिंदे की एकल पीठ ने सोमवार को अभिषेक मित्रा की याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में महिला की शिकायत के आधार पर उपनगरीय बोरीवली पुलिस द्वारा उसके खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी और बलात्कार के मामले से आरोप मुक्त करने का अनुरोध किया गया था। इस फैसले का विवरण मंगलवार को उपलब्ध कराया गया।

त्रा के वकील राजा ठाकरे ने तर्क दिया था कि ज्योतिषीय असंगति के कारण आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच संबंधों को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। उन्होंने तर्क दिया कि यह शादी के झूठे बहाने धोखाधड़ी और बलात्कार का मामला नहीं है बल्कि वादे के उल्लंघन का मामला है। न्यायमूर्ति शिंदे ने, हालांकि, इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस बात से पता चलता है कि शुरुआत से ही आरोपी का शिकायतकर्ता से शादी करने के अपने वादे को कायम रखने का कोई इरादा नहीं था। पीठ ने कहा, ÷यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता (मित्रा) ने कुंडली की ज्योतिषीय असंगति की आड़ में, विवाह के वादे को निभाने से इनकार किया।

इस प्रकार, मुझे पूरी तरह से लगता है कि यह शादी करने के झूठे वादे का मामला है जो स्पष्ट रूप से शिकायतकर्ता की सहमति का उल्लंघन करता है। मामले के विवरण के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता 2012 से एक-दूसरे को जानते थे, जब वे एक पांच सितारा होटल में काम कर रहे थे और एक संबंध में थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कई मौकों पर आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शशि थरूर बोले-ब्रिटेन के नए यात्रा प्रतिबंधों में भारतीय टीकों को मान्यता नहीं देना अपमानजनक

नई दिल्ली। ब्रिटेन के नए यात्रा प्रतिबंधों में भारतीय टीकों को मान्यता नहीं देना और इन्हें लगवा चुके लोगों को वहां पहुंचने पर दस दिन के अनिवार्य क्वारंटीन में रहने के फैसले को कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर न अपमानजनक बताया।

नाराज पूर्व मंत्री ने रद्द की अपनी बुक की लॉन्चिंग, जयराम रमेश भी साथ आए

थरूर ने कहा, ब्रिटिश हुकूमत के इस फैसले से जातिवाद की बू आती है। भारतीयों के साथ इस तरह का भेदभाव किया जाना गलत है। थरूर ने इससे नाराज होकर अपनी एक किताब की लॉन्चिंग और कैंम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अपनी एक बहस का कार्यक्रम रद्द कर दिया। कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम नरेश ने भी ब्रिटेन के इस फैसले की आलोचना की है। ब्रिटेन ने शुक्रवार को अपने यात्रा नियमों ढील देते हुए पीली और हरी सूची को खत्म कर दिया था। भारत यूं तो पीली सूची में था लेकिन उसके बावजूद भारतीय टीकों कोविशील्ड और कोवैक्सीन लगवाने वाले भारतीयों को ब्रिटेन यात्रा पर इस ढील का कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि इन दोनों टीकों को मान्यता नहीं दी गई। इन टीकों को लगवाने वाले लोगों को आरटीपीसीआर टेस्ट और अनिवार्य 10 दिन क्वारंटीन रहना होगा। जयराम रमेश ने ट्वीट किया, यह बेतुका फैसला है। कोविशील्ड को मूल रूप से ब्रिटेन में ही तैयार किया गया था। सीरम संस्थान ने इसका उत्पादन किया और खुद ब्रिटेन में इसकी आपूर्ति की। इसके बावजूद इसे लगवाने वाले भारतीयों के साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं।

यूएन महासभा में भी तालिबान और कट्टरता पर बड़ा संदेश देने की तैयारी में पीएम मोदी

SCO में सुनाई थी खरी-खरी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की इस सप्ताह होने वाली महासभा में पीएम नरेंद्र मोदी अफगानिस्तान में आए तालिबान के हिंसक शासन का मुद्दा उठा सकते हैं। इससे पहले 17 सितंबर को शंघाई कॉपरेशन ऑर्गनाइजेशन की मीटिंग को संबोधित करते हुए भी पीएम नरेंद्र मोदी ने कट्टरता और हिंसा को लेकर अहम संदेश दिया था। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की मौजूदगी में संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि जिस तरह से क्षेत्र में कट्टर ताकतें मजबूत हो रही हैं, उससे शांति, सुरक्षा और विश्वास का माहौल कमजोर हो रहा है। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में भी पीएम नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बात रखने वाले हैं।

उन्होंने स्एछ्ह समिट में कहा था कि इस संगठन को भारत में उदार, सहिष्णु और समावेशी विचार वाले इस्लामिक समूहों को साथ लेकर एक अच्छा नेटवर्क बनाना चाहिए। उन्होंने सभी देशों से कट्टरता से निपटने के लिए प्रयास करने की अपील की थी। पीएम नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र की महासभा को संबोधित करने वाले हैं। इस दौरान वह राजनीतिक इस्लाम से लड़ने के उपायों और कट्टर ताकतों का मुकाबला करने के लिए जरूरी चीजों पर बात करेंगे। दरअसल इस्लाम को हथियार बनाकर ही तालिबान जैसी ताकतों ने अफगानिस्तान में कब्जा जमाया है और हिंसक शासन स्थापित किया है।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद थी पहली SCO समिट

अफगानिस्तन से अमेरिकी और नाटो सेनाओं की वापसी एवं तालिबान के राज के बाद यह पहली एससीओ समिट थी, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने खुलकर आतंकवाद का विरोध किया। तालिबान का राज स्थापित होने के बाद

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की मौजूदगी में संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि जिस तरह से क्षेत्र में कट्टर ताकतें मजबूत हो रही हैं, उससे शांति, सुरक्षा और विश्वास का माहौल कमजोर हो रहा है। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में भी पीएम नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बात रखने वाले हैं।

अफगानिस्तान के लोगों के भविष्य और क्षेत्रीय शांति को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। अब तक अपनी हरकतों से तालिबान ने एक बार फिर यह साबित किया है कि पहले के मुकाबले वह बहुत ज्यादा बदला नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी ने एससीओ समिट में एक तरफ कट्टरता को लेकर चिंता जाहिर की तो वहीं भारत में इस्लाम की समृद्धि विरासत का भी जिक्र किया था।

SCO में पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी इन 5 बिंदुओं पर बात

पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान 5 बिंदुओं पर बात की थी। पहला, उन्होंने भारत में इस्लाम के समावेशी, सहिष्णु और दयालु स्वरूप की बात कही। दूसरा, इस्लाम सदियों से इस क्षेत्र का हिस्सा रहा है। तीसरा, उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ जंग को धर्म से अलग देखने और इस्लाम को राजनीतिक इस्तेमाल से बचाने की भी बात कही। चौथा, उन्होंने भारत और पश्चिम एशिया के बीच पुराने आध्यात्मिक संबंधों का भी जिक्र किया। पांचवां, उन्होंने सभ्यताओं के संघर्ष की बात से भी इनकार किया।

कोलकाता में टूटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कोलकाता में सोमवार को हुई बारिश ने पिछले 13 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मौसम विभाग की मानें तो कोलकाता में सितंबर के महीने में इतनी बारिश 13 साल पहले हुई थी। बता दें, सुबह साढ़े आठ बजे तक यहां 142 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 2007 में 174.4 मिलीमीटर बारिश हुई थी। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिणी बंगाल के सभी जिलों में मंगलवार को भी बारिश की संभावना है। इसके अलावा भारतीय मौसम विभाग की ओर से देश के 13 राज्यों में बारिश की संभावना जताई गई है।

13 राज्यों में बिजली के साथ होगी बारिश-मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश समेत 13 राज्यों में अगले तीन से चार घंटों में बिजली कड़कने के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

यूपी के कुछ जिलों में अलर्ट-उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, बहराइच, कन्नौज, हरदोई व सीतापुर के लिए अलर्ट जारी किया गया है। वहीं श्रावस्ती, बाराबंकी, लखनऊ, कानपुर, जालौन, हमीरपुर के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में चक्रवाती प्रवाह, ओडिशा में 26 से बारिश-भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि पूर्व-मध्य और बंगाल की खाड़ी से लगने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र में 25 सितंबर तक चक्रवाती प्रवाह बनने की संभावना है। यह प्रवाह 48 घंटों के दौरान पश्चिमी-उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की ओर बढ़ेगा। इसका प्रभाव ओडिशा में 26 सितंबर को देखने को मिलेगा और यहां बारिश की संभावना है।

कोरोना महामारी के साथ डराने लगा है डेंगू

उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के विभिन्न इलाकों में रोज हो रहीं मौतें

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने अभी देश को बख्शा नहीं कि डेंगू व अन्य घातक वायरल बुखारों से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में हालत खराब है। उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप थम नहीं रहा। यहां 24 घंटे में नौ मरीजों की मौत हो गई। वहीं आगरा में डेंगू से रविवार को एक मरीज की मौत हो गई। फिरोजाबाद में 24 घंटे के दौरान आठ माह के बच्चे और किशोरी समेत चार मरीजों की मौत हो गई। जिले के सरकारी अस्पताल में रविवार को बुखार के 71 मरीज भर्ती कराए गए। आगरा में एक युवक की मौत हो गई।आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में भर्ती मरीजों में से 16 में डेंगू की पुष्टि हुई है। कासगंज में एक किशोरी और एक युवती की मौत हो गई। मैनपुरी में बुखार से पीड़ित एक बच्ची ने दम तोड़ दिया। जिले में अब तक 74 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। मथुरा में डेंगू के 20 नए केस निकले हैं, जबकि बुखार पीड़ित एक बालक की मौत हो गई।

कोरोना की तर्ज पर बुखार से निपटने की तैयारी-मथुरा जिले में बुखार से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना की तर्ज पर

काम शुरू कर दिया है। गांव-गांव निगरानी समितियां सक्रिय कर दी गई हैं। कलक्ट्रेट स्थित आइसीसीसी शुरू कर दिया गया है। डेंगू की पुष्टि होने वाले मरीज के स्वस्थ होने के बाद भी एक सप्ताह तक हालचाल लिया जा रहा है। जिले में सरकारी रिकार्ड में 385 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। अब तक बुखार से 16 मरीजों की ही मौत हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में भी डेंगू का प्रकोप

राज्य के उमरिया और अनूपपुर को छोड़ सभी जिलों में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर दिन औसतन 125 मरीज मिल रहे हैं। जनवरी से अब तक यहां 20 हजार सैंपल की जांच में 3900 डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। इनमें 2200 से अधिक मरीज सिर्फ सितंबर में मिले हैं।

बुखार के तीसरे दिन प्लाज्मा हो रहा लीक-डेंगू का डी-2 स्ट्रेन घातक साबित हो रहा है। बुखार आने के तीसरे दिन बच्चों में खून की नलिकाओं से प्लाज्मा लीक होने लगता है, शरीर पर सूजन आ रही है। खून गाढ़ा होने से हीमोग्लोबिन बढ़ रहा है। आगरा के एसएन मेडिकल कालेज के बाल रोग विशेषज्ञ डा. नीरज यादव ने बताया कि 14 अगस्त से अभी तक 70 से अधिक बुखार से पीड़ित बच्चे भर्ती हुए हैं।

30 तारीख को होने वाले विधानसभा उपचुनाव क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने एक ज्ञापन जारी कर 30 सितंबर को तीन निर्वाचन क्षेत्रों- समसेरगंज और जंगीपुर विधानसभा क्षेत्रों में और भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया। बता दें कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं।

असमः विधानसभा उपचुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस-असम में साल के अंत में संभावित विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सोमवार को यह जानकारी दी। बोरा ने कहा कि इस वर्ष विधानसभा चुनाव में गठबंधन के कारण हमारा संगठन कई क्षेत्रों में कमजोर हो गया है। बीते चुनाव में गठबंधन सहयोगियों को दी गई सीटों पर कांग्रेस अपनी खोई जमीन वापस हासिल करना चाहती है। इसलिए उपचुनाव वाली सीटों पर

प्रदेश कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

विधायकों की मौत और इस्तीफे के कारण असम में पांच विधानसभा सीटें खाली हैं। वहीं एक अन्य विधायक जो केंद्रीय मंत्री बने हैं, उन्होंने अभी तक सदन में अपनी सदस्यता नहीं छोड़ी है।

लंबे समय तक सेवा करने के

बावजदूद नौकर या केयरटेकर नहीं हो सकते संपत्ति के मालिकः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि नौकर या केयरटेकर संपत्ति में कभी भी कोई अधिकार नहीं ले सकते चाहे वह उसमें लंबे समय से क्यों न रह रहे हों। यह कहते हुए शीर्ष अदालत ने सत्र न्यायालय और कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसलों को निरस्त कर दिया, जिसमें संपत्ति पर नौकर के दावे को स्वीकार कर लिया गया था। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और ए.एस. ओका की पीठ ने यह फैसला देते हुए नौकर को आदेश दिया कि वह संपत्ति को तीन माह के अंदर खाली कर उसका कब्जा मालिक को सौंप दे। अदालत ने कहा कि यदि वह

● यह कहते हुए शीर्ष अदालत ने सत्र न्यायालय और कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसलों को निरस्त कर दिया, जिसमें संपत्ति पर नौकर के दावे को स्वीकार कर लिया गया था। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और ए.एस. ओका की पीठ ने यह फैसला देते हुए नौकर को आदेश दिया कि वह संपत्ति को तीन माह के अंदर खाली कर उसका कब्जा मालिक को सौंप दे।

कब्जा नहीं देता तो उस पर कानूनी रूप से कार्रवाई की जाएगी। अदालत ने इसके साथ ही मालिक की सीपीसी के आदेश 7 और नियम 11 की अर्जी स्वीकार कर ली और कहा कि नौकर का संपत्ति में कोई हक अर्जित नहीं होता। अदालत ने कहा कि नौकर या केयरटेकर प्रतिगामी कब्जे (एडवर्स पजेशन) का दावा भी नहीं कर सकता क्योंकि वह संपत्ति पर मालिक द्वारा देखभाल के वास्ते रखा गया है जिसका वह कोई किराया या अन्य कोई राजस्व नहीं दे रहा था। मामला तब शुरू हुआ जब मालिक ने लंबे समय से संपत्ति की देखभाल के लिए रह रहे व्यक्ति से कब्जा लेने का प्रयास किया। नौकर ने कहा कि वह इस संपत्ति पर लंबे समय से रह रहा है इसलिए यह उसकी संपत्ति हो गई। इसके लिए उसे दीवानी कोर्ट में मुकदमा दायर किया और कहा कि उसे संपत्ति का शांतिपूर्ण कब्जा बनाए रखने का अंतरिम आदेश दिया जाए तथा मलिक को हस्तक्षेप से रोका जाए।

भारत फिर से दूसरे देशों को भेजेगा कोरोना की वैक्सीन

नई दिल्ली। भारत अगले महीने से अतिरिक्त कोविड-19 टीके का निर्यात फिर से बहार करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह बात कही। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि भारत अगले महीने 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत और वैश्विक 'कोवैक्स' पहल को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कोविड-19 टीकों का निर्यात फिर से शुरू करेगा, लेकिन देश के लोगों का टीकाकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

बता दें कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान भारत ने अप्रैल में अपनी आबादी को टीका लगाने पर ध्यान केंद्रीय करने के लिए टीके के निर्यात पर रोक लगा दिया था। मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार को अक्टूबर में कोविड-19 टीकों की 30 करोड़ से अधिक खुराक और अगले तीन महीनों में 100 करोड़ से अधिक खुराक मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 टीके की अब तक 81 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है, अंतिम 10 करोड़ खुराक महज 11 दिनों में दी गई।

देश के लोगों का टीकाकरण सरकार की पहली प्राथमिकता-देश के लोगों के टीकाकरण को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए मांडविया ने कहा कि अतिरिक्त टीकों का निर्यात अगली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत और 'कोवैक्स' पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के हमारे आदर्श वाक्य के अनुरूप है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त टीकों की आपूर्ति का इस्तेमाल कोविड-19 के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के लिए दुनिया के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए किया जाएगा। गावी, कोलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) 'कोवैक्स' पहल का सह-नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत के टीकाकरण अभियान को बताया रोल मॉडल-भारत में कोविड-19 रोधी टीकों के स्वदेशी अनुसंधान और उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

सरकार को अक्टूबर में कोविड-19 टीकों की 30 करोड़ से अधिक खुराक और अगले तीन महीनों में 100 करोड़ से अधिक खुराक मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 टीके की अब तक 81 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है, अंतिम 10 करोड़ खुराक महज 11 दिनों में दी गई।

मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन के कारण भारत इतने बड़े पैमाने पर कोविड के टीकों का अनुसंधान और उत्पादन कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत का टीकाकरण अभियान दुनिया के लिए 'रोल मॉडल' है और यह बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले महीनों में अपेक्षित उत्पादन और आपूर्ति के रुझान के बारे में मांडविया ने कहा कि अक्टूबर में 30 करोड़ से अधिक और आने वाली तिमाही में 100 करोड़ से अधिक खुराक का उत्पादन किया जाएगा।

80 करोड़ के पार पहुंचा टीकाकरण

पिछले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर देश में टीके की 2.50 करोड़ से अधिक खुराक दी गई। मंत्रालय के मुताबिक, भारत को टीकाकरण के 10 करोड़ आंकड़े तक पहुंचने में 85 दिन लगे। इसके बाद अगले 45 दिन में 20 करोड़ तथा इसके 29 दिन बाद 30 करोड़ के आंकड़े पर देश पहुंचा था। वहीं, 30 करोड़ से 40 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में 24 दिन लगे और इसके 20 दिन बाद छह अगस्त को 50 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गए। इसके 19 दिन बाद देश ने 60 करोड़ आंकड़े का तथा इसके महज 13 दिनों बाद 60 करोड़ आंकड़े का लक्ष्य हासिल किया। इसके बाद 70 करोड़ से 80 करोड़ के लक्ष्य तक पहुंचने में महज 11 दिन लगे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com